शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 53 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 20 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत की संस्थाओं को बदनाम करने वालों को कोई सम्मान नहीं मिलना... पेज 2
सोनापुर के कचुतली में डोर-टू-डोर लाल स्टीकर पेज 3
बिहार के नवादा में महादलित बस्ती में आगजनी के मामले में 11 गिरफ्तार... पेज 5
भारतीय पुरुषों ने चीन को पछाड़ा महिलाओं ने जॉर्जिया को हराया पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अरुणोदोई 3.0 शुरू, 12.5 लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा गया

गुवाहाटी। असम सरकार ने गुरुवार को अपनी प्रमुख योजना अरुणोदोई 3.0 का शुभारंभ किया, जिसमें पिछले संस्करणों को समाप्त कर दिया गया और 37.2 लाख लाभार्थियों को कवर करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया गया। इस नए चरण में अरुणोदोई 2.0 के 24.6 लाख प्राप्तकर्ताओं की तुलना में प्राप्तकर्ताओं की संख्या में 12.5 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है, जिससे यह असम के इतिहास में सबसे बड़ी राज्य संचालित प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण (डीबीटी) पहल बन गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लॉन्च के दौरान कहा कि मैं असम के लोगों को यह योजना पेश करते हुए खुश हूं। अरुणोदोई 3.0 सिर्फ कल्याण से कहीं ज्यादा है; यह आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल है। अद्यतन योजना में लाभार्थियों की एक व्यापक श्रेणी शामिल होगी, जैसे कि तृतीय लिंग, विधवाएं, 45 वर्ष से अधिक आयु के अविवाहित व्यक्ति, तलाकशुदा और परित्यक्त महिलाएं, विकलांग व्यक्ति (लिंग की परवाह किए बिना) और प्रति वर्ष 2 लाख रुपए से कम आय वाले परिवार। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना में निराश्रित महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों, विधवाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला प्रशासनों को अरुणोदोई 3.0 के लिए लाभार्थियों का चयन करते समय सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं, तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि योजना के पुराने संस्करणों के पात्र लाभार्थियों को तब तक हटाया न जाए, जब तक कि वे अद्यतन दिशानिर्देशों को पूरा -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने नए राशन कार्ड योजना का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने नए राशन कार्ड योजना का शुभारंभ किया। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को देश के लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किया गया था। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लागू होने के समय केंद्र सरकार द्वारा असम के लाभार्थियों के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया था। यह लक्ष्य 2011 की जनगणना के अनुसार दिया गया था। इसलिए, असम में लगभग 19,92,167 नए लाभार्थियों को अभी भी खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कवर किया जाना बाकी था। आज मुख्यमंत्री ने शेष लाभार्थियों को नए राशन कार्ड वितरित किए जाने की योजना का उद्घाटन किया। असम सरकार ने इस साल जनवरी में पूरे राज्य में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 42,85,745 नए लाभार्थियों को शामिल करने में सफलता हासिल की है और बीते जनवरी में 10,73,489 नए परिवारों को राशन कार्ड जारी किए। अन्य नए लाभार्थियों का चयन किया जाएगा और आज से उनके परिवारों को -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में सात आईईडी बम बरामद, सेना ने किया निष्क्रिय

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस ने उग्रवादियों के एक बड़े मंसूबे को नाकाम कर दिया और भारी जानमाल के नुकसान होने से बचा लिया। भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस की तरफ से चलाए गए एक बड़े संयुक्त ऑपरेशन में इंफाल पूर्व जिले में बोंगजांग और इथम गांवों के पास पहाड़ी क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में आईईडी बम बरामद किए गए हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस के दस्ते ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेना के विस्फोटक पहचान कुत्तों के साथ एक खोज अभियान शुरू किया। खोज अभियान में करीब 28.5 किलोग्राम वजन के सात आईईडी बरामद किए। जिसके बाद बरामद -शेष पृष्ठ दो पर

सहकारिता से सरकार ग्रामीण अर्थतंत्र को नई गति दे रही है : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि सहकारिता के माध्यम से मोदी सरकार ग्रामीण अर्थतंत्र को नई गति दे रही है। शाह नई दिल्ली के पूसा स्थित आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में सहकारिता मंत्रालय के 100 दिनों में किए गए परिवर्तनकारी पहलों की श्रृंखला का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन के मुख्य सत्र के दौरान अमित शाह ने *सहकार से* -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक संतुलित मन के बराबर कोई तपस्या नहीं है। संतोष के बराबर कोई खुशी नहीं है। लोभ के जैसी कोई बिमारी नहीं है। दया के जैसा कोई सदाचार नहीं है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी : भाजपा ओबीसी मोर्चा ने बताया दुर्भाग्य पूर्ण

नई दिल्ली (हि.स.)। तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होने का सनसनीखेज आरोप सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को एक बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इससे मंदिर की शुद्धता खंडित हुई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को अमरावती में -शेष पृष्ठ दो पर

मेडिकल काउंसिल ने रद्द किया संदीप घोष का लाइसेंस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष का मेडिकल प्रैक्टिशनर पंजीकरण रद्द कर दिया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्या मामले के साथ-साथ कॉलेज से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में उन्हें गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के तीन पुलिस स्टेशनों में राहुल गांधी पर शिकायत दर्ज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को राहुल गांधी की हाल की अमेरिकी यात्रा के दौरान आरक्षण पर की गई टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दिल्ली में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पंजाबी बाग, तिलक नगर, पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई थी। इसके अलावा एक शिकायत भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ मध्य प्रदेश में दर्ज कराई है। शिकायत पंजाबी बाग, तिलक नगर और पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई थी। भाजपा अनुसूचित जाति (एससी) इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल गिहारा, भाजपा सिख सेल के सदस्य चरणजीत सिंह लवली और पार्टी एसटी विंग के सदस्य सीएल मीना ने कांग्रेस नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इन नेताओं ने एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय को आरक्षण पर दिए गए राहुल गांधी के बयान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। वहीं, मध्य प्रदेश भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

हम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे : पीएम मोदी

कटरा (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों का प्रचार करने के लिए गुरुवार को आये भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव जम्मू-कश्मीर का भविष्य चुनने व नए जम्मू कश्मीर को और बुलंद बनाने के लिए है। कांग्रेस, पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस के जिन तीन खानदानों ने इस क्षेत्र को सालों-साल घाव दिए, उनकी राजनीतिक विरासत का सूर्य आपको अस्त करना ही होगा। हम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे। कटरा में एक रोडशो के बाद रैली में मोदी ने अनुच्छेद 370 को लेकर साफ शब्दों में कहा कि दुनिया की कोई ताकत जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती। मोदी आज कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस को डंके की चोट पर कह रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस का खुलकर समर्थन किया है। उनका कहना है कि आर्टिकल 370 और 35ए को लेकर कांग्रेस और एनसी का एजेंडा वही है, जो पाकिस्तान का एजेंडा है यानी कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस की पोल खुद पाकिस्तान ने खोल दी है। पीएम मोदी ने कांग्रेस, एनसी और पीडीपी पर निशाना साधा और कहा कि यह चुनाव जम्मू-कश्मीर का भविष्य तय करेंगे। यह चुनाव कांग्रेस, एनसी और पीडीपी के तीन -शेष पृष्ठ दो पर

पन्नू के मामले में अमेरिकी अदालत के समन को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू की ओर से दायर मुकदमे के आधार पर अमेरिका की एक सिविल अदालत द्वारा भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और खुफिया एजेंसी रॉ के अधिकारियों को समन किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मामले में लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि इस तरह के सभी आरोप निराधार और अवांछनीय हैं। पन्नू की ओर से दायर इस मामले से हमारी राय में कोई बदलाव नहीं आता। विदेश सचिव ने पन्नू का नाम लिए बिना कहा कि इस आदमी की क्या पृष्ठभूमि है, इसे सब लोग जानते हैं। यह आदमी एक गैर-कानूनी संगठन से जुड़ा है। उन्होंने पन्नू के संगठन *सिख फॉर जस्टिस* के संबंध में कहा कि यह भारत विरोधी और हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाली विध्वंसकारी गतिविधियों में लिप्त है। इसी कारण इसे गैर -शेष पृष्ठ दो पर

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ें : राष्ट्रपति

भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी आगे बढ़ें। स्वच्छता ही देश को स्वस्थ और विकसित बना सकती है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इस कार्य में सहयोग करे और सब मिलकर देश को विकसित राष्ट्र बनाएं। मध्य प्रदेश ने शहरी और ग्रामीण स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। मध्य प्रदेश के कई शहरों को सफाई के लिए श्रेष्ठ शहर घोषित किया गया है। इंदौर निरन्तर 7वीं बार देश का स्वच्छतम शहर घोषित हुआ है। भोपाल स्वच्छतम राजधानी बनी है। राष्ट्रपति ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को उज्जैन में सफाई मित्रों के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने सफाई मित्रों रश्मि टांकले, किरण खोड़े, शोभा घावरी, अनिता चावरे और गोपाल खरे का सम्मान भी किया। राष्ट्रपति ने 1692 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले उज्जैन-इंदौर सिक्स-लेन मार्ग का भूमि-पूजन भी किया। प्रारम्भ में राष्ट्रपति मुर्मु का राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने -शेष पृष्ठ दो पर

सलमान खान के काफिले में घुसा बाइक सवार, पुलिस ने दर्ज किया मामला

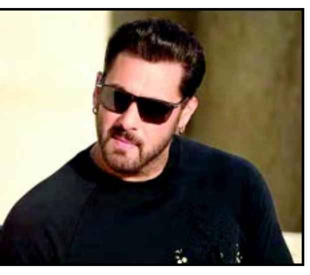

मुंबई। चर्चित अभिनेता सलमान खान और उनके परिवार की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी हुई है। सलीम खान को धमकी मिलने के बाद अब सलमान खान के काफिले में एक अज्ञात शख्स द्वारा घुसने की कोशिश की गई है। इस मामले में पुलिस ने एक केस दर्ज किया है। यह घटना रात 12:15 बजे के आसपास की बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि एक 21 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है। वह सलमान खान के साथ चल रहे पुलिस काफिले -शेष पृष्ठ दो पर

महिला डॉक्टरों में असुरक्षा की भावना, संविदा कर्मियों पर नहीं छोड़ सकते सुरक्षा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 31 वर्षीय महिला के साथ हुई घटना के बाद देश के कई हिस्सों में अभी भी विरोध प्रदर्शन चल रहा है। वहीं, डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने कटघरे में खड़ी है जहां शीर्ष अदालत ने कड़े सवालों से बंगाल सरकार की बोलती बंद कर दी। बंगाल सरकार के वकील के रूप में, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान अस्पतालों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के कदमों को सूचीबद्ध किया, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सवाल किया कि अस्पताल में सुरक्षा ड्यूटी पर संविदा कर्मचारी और नियमित पुलिसकर्मी क्यों नहीं थे। मुख्य न्यायाधीश ने इस तथ्य की ओर भी इशारा किया कि डॉक्टर के दुष्कर्म-हत्या का आरोपी संजय रॉय एक संविदाकर्मी ही था, जिसकी अस्पताल के हर कोने तक निर्बाध पहुंच थी। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या अस्पतालों में तैनात नए सुरक्षाकर्मी महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के तरफ से ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मी या संविदकर्मी ही थे। सिब्बल ने जवाब दिया कि वे पुलिसकर्मी थे और स्पष्ट किया कि सुरक्षा ड्यूटी पर संविदा -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश हिंसा में नौ अल्पसंख्यकों की मौत, 69 पूजा स्थलों पर तोड़फोड़

ढाका। बांग्लादेश हिंसा में कितने अल्पसंख्यक लोगों की मौत हुई और कितने घायल हुए इसपर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। गुरुवार को बांग्लादेश के एक अल्पसंख्यक संगठन ने बताया कि बांग्लादेश में 4 से 20 अगस्त के बीच सांप्रदायिक हिंसा की दो हजार से अधिक घटनाओं में कम से कम नौ अल्पसंख्यकों की मौत हो गई और 69 पूजा स्थलों पर तोड़फोड़ की गई। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद के नेता निर्मल रोजारियो ने संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में सांप्रदायिक हिंसा की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की। निर्मल रोजारियो ने बताया कि 4 से 20 अगस्त के बीच देश भर के 76 जिलों और महानगरीय क्षेत्रों में से 68 में सांप्रदायिक हिंसा की कुल 2010 घटनाएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत की संस्थाओं को बदनाम करने वालों को कोई सम्मान नहीं मिलना चाहिए : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि भारत की संस्थाओं को बदनाम करने वालों को कोई सम्मान नहीं मिलना चाहिए। संसद भवन में गुरुवार को संसद में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कैसे देश के अंदर और बाहर कुछ लोग भारत की संस्थाओं और राष्ट्रीय प्रगति को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि क्या हम ऐसे व्यक्ति की प्रशंसा कर सकते हैं जो देश के भीतर और बाहर देश को बदनाम कर रहा है? हमारी पवित्र संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे हमारी उन्नति प्रभावित हो रही है। क्या हम इसे नजरअंदाज कर सकते हैं? मेरा वादा है कि मैं, युवा लड़के और लड़कियों के साथ कभी अन्याय नहीं होने दूंगा। धनखड़ ने राष्ट्रीय विमर्श को आकार देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने पत्रकारिता में व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण से दूर जाने और संस्थानों के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें उन मुद्दों को संबोधित करना होगा, जो सिर्फ चुनिंदा व्यक्तियों पर आधारित नहीं हैं। हम व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण कैसे अपना सकते हैं? हमारी पवित्र संस्थाओं को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। वैश्विक मंच पर राष्ट्र की छवि को सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि हम विशेष रूप से देश के बाहर भारत की गलत तस्वीर को चित्रित नहीं कर सकते। हर भारतीय, जो इस देश से बाहर जाता है, वह इस राष्ट्र का राजदूत है। उसके दिल में राष्ट्र और राष्ट्रवाद के लिए शत प्रतिशत प्रतिबद्धता के अलावा कुछ भी नहीं होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने भारत के खिलाफ खतरनाक मंसूबे रखने वालों से सावधानी बरतने के लिए कहा है। उन्होंने देशविरोधी ताकतों द्वारा राष्ट्र के खिलाफ उत्पन्न किये जाने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों के साथ संबंध नहीं रख सकते, जिनका अस्तित्व ही भारत के विरोध से स्थापित है। वे भारत के अस्तित्व को चुनौती देने के लिए घातक रूप से आकांक्षी हैं। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करते हुए धनखड़ ने अनुचित आलोचना की बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम केवल आलोचक रह गए हैं जबकि हमारा ध्यान विकास पर केंद्रित होना चाहिए। हमारे एजेंडा में विकास की बात जितनी की जानी चाहिए उससे काफी कम है। हमें हमारे एजेंडा को एक नया स्वरूप देना होगा जो विकास और राष्ट्रीय प्रगति पर आधारित होगा। प्रत्येक लोकतांत्रिक संस्था को अपनी परिभाषित संवैधानिक सीमाओं के भीतर काम करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने रेखांकित किया कि संविधान ने प्रत्येक संस्था की भूमिका को परिभाषित किया है और प्रत्येक को अपने संबंधित क्षेत्र में सर्वोच्च प्रदर्शन करना चाहिए।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE SUPERINTENDENT OF POLICE
:: UDALGURI :: DISTRICT :: UDALGURI ASSAM ::

The above is photograph of Monuara Begum (30Yrs), W/O- Abdul Malek, Vill-Aminpara, PS- Rowta, Dist- Udalguri who has been missing 28/ 08/2024 from her home.

This refers to Rowtai PS GDE No-31. Dtd. 29/ 08/2024 and this office Man Missing Register Entry No. 154, Dtd. 06/09/2024.

Descriptive Roll of the Missing Person:

1. Complexion - Brown
2. Age - 33 Yrs
3. Height - 5.2 Feet
4. L/Known - Not Noted.
5. Wearing - Saree.

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result thereof may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action : 6026901138 (Cell phone).

-- Janasanyog /D/6056/24/20-Sep-24 **Superintendent of Police, Udalguri, Assam**

भाजपा विधायक मुनिरत्न के खिलाफ रेप केस दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री मुनिरत्न के खिलाफ यौन उत्पीड़न और बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। यह मामला रामनगर जिले के कग्गलीपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में एक निजी रिसॉर्ट में घटित हुआ। बुधवार रात को कग्गलीपुरा पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई, जिसमें मुनिरत्न के अलावा सात अन्य लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें 354ए (यौन उत्पीड़न), 354सी (गोपनीयता का उल्लंघन), 376 (बलात्कार), 506 (धमकी), 504 (अपमान), 120बी (साजिश), 149 (गुटबंदी), 384 (ब्लैकमेलिंग), 406 (धन के हड़पने) और 308 (जान से मारने की कोशिश) शामिल हैं। इसके साथ ही मुनिरत्न के अलावा, अन्य आरोपियों में विजय कुमार, सुधाकर, किरण कुमार, लोहित गौड़ा, मंजूनाथ और लोकी शामिल हैं।

यूपी में एक और ट्रेन डिरेल करने की साजिश ट्रैक पर मिला 6 मीटर लंबा लोहे का खंभा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई है। कानपुर, गाजीपुर, देवरिया के बाद अब रामपुर जिले में यह साजिश रची गई है। उत्तराखंड बॉर्डर से सटी कॉलोनी के पीछे से गुजर रही रेलवे लाइन पर टेलीकॉम का पुराना 6 मीटर लंबा खंभा हुआ था। इस बीच दून एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। रेलवे ट्रैक पर खंभा देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर बड़े हादसे को टाल दिया। रेलवे ट्रैक पर खंभा रखे होने की सूचना पर जीआरपी और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी आनन-फानन में मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने खंभे को ट्रैक से हटवाया, जिसके बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। यह घटना बीते बुधवार रात की है। बलवंत एन्क्लेव कॉलोनी के पीछे से गुजर रही बिलासपुर रोड रुद्रपुर सिटी स्टेशन के किमी 43/10-11 रेलवे लाइन पर टेलीकॉम का पुराना लोहे का 7 मीटर लंबा खंभा रेलवे ट्रैक पर रखा हुआ था। बुधवार रात करीब 11 बजे वहां से गुजर रही देहरादून एक्सप्रेस (नंबर-12091) के लोको पायलट की नजर खंभे पर पड़ गई। यह देख उसने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दिया। इस घटना की जानकारी देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट के द्वारा स्टेशन मास्टर और जीआरपी को दी गई। सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ टीम मौके पर पहुंच गई। थोड़ी देर बाद रामपुर एसपी ने भी जिले की पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। टीम ने खंभे को कब्जे में लेकर रात में ही सर्चिंग शुरू कर दी। मुरादाबाद से जीआरपी एसपी विद्या सागर मिश्र भी घटनास्थल पर पहुंचे। फिर गुरुवार सुबह अधिकारियों की टीम दोबारा घटनास्थल पर पहुंची।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
PAEDIATRIC SURGEON & UROLOGIST
Apollo HOSPITALS

Dr.Balamourougane P Ms,DNB,MNAMS,MCh(AIIMS)DNB (Pd surg)
Will be available only for consultation at **Guwahati** on **29th Sept'2024**

Children suffering from Swelling in the groin/ Scrotum-HerniaHydrocele, Absent testicles in scrotum- Undescended testes, Abnormal appearance of Genitalia-curvature, passing urine from undersurface-Hypospadias (boys), enlarged clitoris (girls), Difficulty in passing urine/ stools (Motion) freely, Blood in Urine/ stools, Urinary or Fecal leak, no control-Incontinence. Swelling in the head and Neck, any part of the body, Abdominal swelling, pain, vomiting. Difficulty in breathing/ Swallowing/ Chest Pain. Swelling of kidney/ bladder-Hydronephrosis. Swelling over the back/ Spine. Swelling with pus discharge anywhere in the body. Jaundice with white stool. Cancers in Children etc.

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 0361-3102166, 0361-3102669

पृष्ठ एक का शेष

अरुणोदोई 3.0 की ...

नहीं करते। सरकार इस पहल के लिए प्रति माह 467 करोड़ रुपए आवंटित करेगी। लाभ पाने के लिए, आवेदकों को असम का स्थायी निवासी होना चाहिए और उनके पास वैध आधार-सीडेड राशन कार्ड होना चाहिए। जिन परिवारों के पास कोई सरकारी नौकरी नहीं है, वे भी इस कार्यक्रम के लिए पात्र होंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अरुणोदोई 3.0 के लिए कुल आवंटन 5,604 करोड़ रुपए है, सरकार का लक्ष्य जनवरी 2024 तक इसे लागू करना है। अरुणोदोई की सफलता से प्रेरित होकर अन्य राज्यों ने भी विभिन्न नामों से इसी तरह की पहल शुरू कर दी है. मूल रूप से 2 अक्तूबर, 2020 को तत्कालीन वित्त मंत्री शर्मा द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत शुरुआत में महिलाओं को प्रति माह 830 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। अरुणोदोई 3.0 के तहत, लाभार्थियों को अब हर महीने की 10 तारीख को सीधे उनके बैंक खातों में 1,250 रुपए जमा किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने नए ...

नए राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। वर्तमान में, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश भर में इस योजना के तहत सभी लाभार्थियों को मुफ्त चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। देश भर में इस समय 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त चावल की आपूर्ति की जा रही है। असम में, वर्तमान में 2,31,97,608 लाभार्थी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त चावल प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना में वर्तमान में 66,86,845 परिवार शामिल हैं। इनमें से 6,72,024 अंत्योदय अन्न योजना प्राप्त करने वाले परिवार हैं और 60,14,821 प्राथमिकता वाले परिवार हैं।

मणिपुर में सात ...

किए गए आईईडी को भारतीय सेना के इंजीनियरों के विशेषज्ञों की तरफ से निष्क्रिय किया गया। इन आईईडी बमों की बरामदगी से एक बड़ी घटना को अंजाम देने रोक दिया गया और निर्दोष नागरिकों के अनमोल जीवन को बचाया गया है। जानकारी के मुताबिक इन आईईडी बमों की बरामदगी पिछले तीन महीनों में सुरक्षा बलों की दूसरी बड़ी जब्ती है।

सहकारिता से सरकार...

समृद्धि थीम के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा *100 दिनों की पहल* का शुभारंभ किया। उन्होंने अब तक कवर नहीं किए गए गांवों व पंचायतों में 2 लाख नई एमपीएसीएस, प्राथमिक डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों के गठन और सुदृढ़ीकरण, श्वेत क्रांति 2.0 पर मानक संचालन प्रक्रिया और सहकारी समितियों के बीच सहयोग पर एक *मार्गदर्शिका* का भी शुभारंभ किया। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में सहकारिता क्षेत्र में किए गए कार्यों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि 70 सालों में सरकार की अनदेखी के कारण इस देश में सहकारिता आंदोलन अप्रासंगिक होता जा रहा था। प्रशासन, अर्थव्यवस्था और अन्य क्षेत्रों में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में जो बदलाव आवश्यक थे, वे नहीं किए गए। जब इस मंत्रालय का गठन किया गया था तो इसका उद्देश्य सभी गांवों और जिलों में सहकारिता क्षेत्र को पुनर्जीवित करना था। उन्होंने कहा कि तीन नई पहलों को एक साथ लॉन्च किया गया है। शाह ने भरोसा दिलाया कि पैक्स अब बंद नहीं होंगे। श्वेत क्रांति 2.0 महिला सशक्तिकरण का माध्यम बनेगा। यह महिलाओं को रोजगार देने का काम भी करेगा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि श्वेत क्रांति 2.0 न केवल किसानों की आय बढ़ाएगी, बल्कि महिला सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि मत्स्य और पशुपालन से जुड़े लोग असंगठित क्षेत्र में होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं। सरकार ने आज इसी के मद्देनजर श्वेत क्रांति 2.0 लॉन्च किया है। सिंह ने कहा कि दूध उत्पादन में भारत आज विश्व में पहले स्थान पर है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनाने के बाद दोगुनी वृद्धि के कारण यह संभव हुआ है।

दिल्ली के तीन पुलिस...

अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का लगातार अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा है कि राहुल गांधी ने 100 बार पीएम नरेंद्र मोदी का अपमान किया है और उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया है। शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी ने देशद्रोह किया है। उन्होंने दूसरे देशों में भारतीय प्रधानमंत्री का अपमान किया है। देश भर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और हम उनके खिलाफ सख्त और त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग करते हैं। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने पर कांग्रेस नेताओं की शिकायत पर बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पदाधिकारी की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हम जम्मू-कश्मीर में ...

परिवारों की राजनीतिक विरासत को खत्म करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिन्होंने राज्य को बर्बाद करके रख दिया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के वारिस ने हाल ही में विदेश जाकर क्या कहा है, वो आपने भी सुना होगा। वो कहते हैं कि हमारे देवी-देवता भगवान नहीं हैं। हिंदू धर्म में गांव-गांव में देवी-देवताओं को पूजने की परंपरा है। हम इष्ट देवों को मानने वाले लोग हैं और कांग्रेस वाले कहते हैं कि देवता भगवान नहीं होते। क्या आप इस बात से सहमत हैं? क्या ये हमारे देवी देवताओं का अपमान नहीं है? आगे कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार, देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। यह परिवार भारत में भ्रष्टाचार की कुरीति का जन्मदाता है, उसका पोषक है। इनकी हिम्मत देखिए... ये डोगरों की धरती पर आकर यहां के राज परिवार को भ्रष्ट कहते हैं। मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस के नेता ने डोगरा विरासत पर यह हमला जानबूझ कर किया है। यह मोहब्बत की दुकान के नाम पर नफरत का सामान बेचने की उनकी पुरानी नीति है। इनको वोटबैंक के अलावा कुछ नहीं दिखाई देता। रियासी और उधमपुर के साथ कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने कैसा सौतेला व्यवहार किया है, यह आप मुझसे ज्यादा जानते हैं। अटल जी की सरकार के समय चिनाब ब्रिज स्वीकृत हुआ था लेकिन कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस ने इसकी फाइल को दबा दिया। आपने मोदी को, भाजपा को यह काम सौंपा आज यह शानदार पुल सुविधा के साथ साथ आकर्षण का भी केंद्र बना हुआ है।

पन्नू के मामले में ...

कानूनी गतिविधि निरोधक कानून (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित किया गया है। जब उनसे पूछा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्या वहां खालिस्तानी गतिविधियों का मामला उठायेंगे? इस पर विदेश सचिव ने कहा कि साझा चिंताओं से जुड़े सभी मुद्दों पर बातचीत की जाएगी। किसी खास मुद्दे का जिक्र उन्होंने नहीं किया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क के दक्षिण जिले की जिला अदालत ने आतंकवादी पन्नू की ओर से दायर मामले के आधार पर भारतीय अधिकारियों के नाम समन जारी किये हैं। पन्नू ने भारत से मुआवजे की मांग की है। इनमें भारत सरकार के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल और एजेंसी के एक अधिकारी विक्रम यादव का नाम है। इसके साथ ही एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता का भी उल्लेख है। गुप्ता इन दिनों आतंकी पन्नू की हत्या के षड्यंत्र के सिलसिले में न्यूयार्क की जेल में बंद है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पन्नू की हत्या करने के लिए एक भाड़े के शूटर से संपर्क किया था। यह प्रकरण करीब एक साल से चल रहा है। अमेरिका की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए भारत का कहना है कि हमारी नीति में विदेश में संदिग्ध लोगों को निशाना बनाना नहीं है।

स्वच्छ भारत, स्वस्थ ...

पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और उन्हें श्रीमहाकाल लोक की प्रतिकृति प्रदान की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने कहा कि अवन्तिका बाबा महाकाल की पवित्र, दिव्य एवं पावन नगरी है। गुप्तकाल भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग रहा है और उस समय उज्जैन भारत का महत्वपूर्ण नगर था। यहां संस्कृति और सभ्यता की प्राचीन परम्परा है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज से 2000 वर्ष पूर्व उज्जैन परिवहन व्यवस्था का उत्कृष्ट केंद्र था। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का केंद्र भी था। महाकवि कालिदास ने मेघदूत में उज्जयिनी की विशालता और भव्यता का अदभुत चित्रण किया है। देवलोक में जो महत्व अल्कापुरी नगरी का है, वही महत्व पृथ्वी पर उज्जैन नगरी का बताया गया है। मैं बाबा महाकाल, अवन्तिका नगरी और पवित्र शिप्रा नदी को प्रणाम करती हूँ। उन्होंने कहा कि उज्जैन एवं प्रदेश में समग्र विकास के अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में आज उज्जैन में उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन मार्ग का भूमि-पूजन किया गया है। यहां विक्रम उद्योगपुरी मेडिकल डिवाइसेस पार्क बनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश में एक्सप्रेस-वे एवं एलीवेटेड कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। इन सभी के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयास सराहनीय हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सफाईकर्मी अग्रिम पंक्ति के स्वच्छता योद्धा हैं। इन्हें आज सम्मानित कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। हम सफाईकर्मियों की सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को सुरक्षित करेंगे। देश में *मेन होल* को समाप्त कर अब *मशीन होल* बनाए जा रहे हैं। सफाईकर्मियों को लाभान्वित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। मध्य प्रदेश ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्यपाल पटेल ने मध्य प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक नगरी उज्जैन में राष्ट्रपति के आगमन पर प्रदेशवासियों की ओर से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आध्यात्मिक केंद्र उज्जैन में आयोजित सफाई मित्र सम्मेलन देश में स्वच्छता केवल जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि पवित्र सेवा का संदेश प्रसारित करेगा। स्वच्छता अभियान की यह पहल सफाई मित्रों की प्रतिबद्धता के साथ स्वच्छ, स्वस्थ और आध्यात्मिक रुप से सशक्त देश के निर्माण का संदेश प्रसारित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। यह दिन ऐतिहासिक होकर नई सौगात लेकर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कामों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का गौरव हासिल करने के प्रत्येक आयामों को छुआ है। मध्य प्रदेश, देश के सभी राज्यों में स्वच्छता के लिए दूसरे नम्बर पर आया है, यह हम सबका सौभाग्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने निर्णय लिया है कि स्वच्छता अभियान को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले स्वच्छताकर्मियों के योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक नगर की स्टार रैंकिंग के हिसाब से स्वच्छताकर्मियों के प्रति स्टार रैंकिंग पर एक हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। उज्जैन को तीन स्टार मिले हैं, इसलिए यहां के सभी स्वच्छताकर्मियों को तीन-तीन हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाषाण शिल्प को महत्व देने के लिए महाकाल लोक की सभी प्रतिमाएं पाषाण की बनवाएंगे। इससे प्रदेश में पत्थर शिल्प को प्रोत्साहन मिलेगा। राजस्थान के साथ मध्य प्रदेश भी अब पत्थर शिल्प में स्थान हासिल करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्रपति द्वारा इंदौर से उज्जैन को जोड़ने के लिए 1692 करोड़ रुपए लागत से 6 लेन सड़क के निर्माण का शुभारम्भ किया गया है। इससे उज्जैन न केवल इंदौर से बल्कि पूरे देश से जुड़ेगा और आध्यात्मिक नगरी उज्जैन आने-जाने के लिए मार्ग सुलभ होगा। समारोह में उज्जैन के विकास कार्यों को लेकर बनाई गई लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें उज्जैन में होने वाले विकास कार्यों को दर्शाया गया। समारोह का शुभारम्भ एवं समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सलमान खान के ...

में घुसने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार रात 12 बजे के करीब की है, जब सलमान खान बांद्रा में महबूब स्टूडियो और गैलेक्सी अपार्टमेंट की ओर जा रहे थे। तभी वह सलमान खान के काफिले में घुसने की कोशिश कर रहा था। बाद में सलमान खान के सिक्योरिटी गार्ड ने उस युवक को पकड़कर बांद्रा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। जिसके बाद पुलिस ने उस शख्स से इस मामले में पूछताछ की। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा कई धमकियां मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने सलमान खान को *वाई-प्लस* सुरक्षा कवर दिया हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि काफिला जब महबूब स्टूडियो से गुजरा तो करीब 12.15 बजे मोटरसाइकिल सवार उजैर फैज मोहिउद्दीन (21) ने सलमान खान की कार के करीब जाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने उसे चेतावनी देने की कोशिश की, लेकिन वह सलमान खान की कार के करीब जाने की लगातार कोशिश करता रहा। अधिकारी ने बताया कि अभिनेता के घर पहुंचने के बाद दो पुलिस वाहनों ने मोटरसाइकिल सवार का पीछा किया और उसे रोक लिया। पूछताछ में युवक ने बताया कि, वह बांद्रा पश्चिम रहता है। उसका मोहिउद्दीन है और वह कॉलेज का छात्र है। अधिकारी ने बताया कि उनके खिलाफ बांद्रा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली लापरवाही) और 281 (लापरवाही से गाड़ी चलाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है, लेकिन बाद में कोई सबूत न मिलने के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। बता दें कि, इस साल अप्रैल में सलमान खान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बिश्नोई गिरोह से जुड़े मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने गोलीबारी की थी। जिसने पूरे मुंबई में सनसनी फैला दी थी।

महिला डॉक्टरों में ...

कर्मचारी एक अल्पकालिक उपाय था और उनकी जगह नियमित पुलिसकर्मी लेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने इस पर कहा कि आप जानते है कपिल सिब्बल, वास्तव में क्या हुआ था। आरोपी संविदाकर्मी था। यदि आप संविदात्मक लोगों का एक और समूह रखने जा रहे हैं। तो इन संविदात्मक लोगों को सात दिनों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा और फिर वे अस्पताल में इधर-उधर घूमते रहेंगे। इन संविदा कर्मचारियों के रात में अस्पताल में घूमने से युवा डॉक्टरों, विशेषकर महिला डॉक्टरों को क्या सुरक्षा मिलेगी? मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि महिला डॉक्टरों में असुरक्षा की भावना है। उन्हें नहीं पता कि ये लोग कौन हैं। सिब्बल ने जवाब दिया कि सीआईएसएफ कर्मी वर्तमान में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में तैनात हैं और जूनियर डॉक्टर, जो *काम बंद* विरोध पर हैं, ड्यूटी में शामिल हो सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि सीआईएसएफ वहां थोड़े समय के लिए रहेगी। सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार तब तक व्यवस्था कर लेगी। मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार से कहा कि जब आप संविदा कर्मचारियों को सुरक्षा सौंपते हैं, खासकर अस्पतालों में, जहां लोग 36 घंटे ड्यूटी पर होते हैं, तो समस्या होती है। वस्तुतः महिला डॉक्टरों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है। इस पर सिब्बल ने कहा कि हर अस्पताल में एक पुलिस चौकी है, तो मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि पुलिस चौकी के बावजूद, एफआईआर में देरी हुई। जब सिब्बल ने जवाब दिया कि यदि अदालत चाहेगी तो राज्य सरकार रतिरर साथी (नाइट ड्यूटी पर लोग) को भंग कर देगी, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह अदालत की इच्छा का सवाल नहीं है, हम शासन के प्रभारी नहीं हैं। सिब्बल ने कहा कि अदालत को राज्य मशीनरी पर कुछ भरोसा होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि युवा छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आते हैं। उन्होंने कहा कि ये सीधे 12वीं कक्षा की युवा लड़कियां हैं जो पांच साल के लिए वहां रहेंगी। हम 18-23 साल की उम्र के युवाओं के साथ काम कर रहे हैं। वे विशेष रूप से कमजोर हैं और उन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य के 45 मेडिकल कॉलेजों में नियमित पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया जाना चाहिए।

बांग्लादेश हिंसा में ...

नौ अल्पसंख्यक लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान सांप्रदायिक हिंसा का ब्यौरा देते हुए निर्मल ने कहा कि हिंसा से 1705 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए। उनमें से 157 परिवारों के घरों पर हमला किया गया, लूटपाट की गई, तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि उनके कुछ व्यवसायों को भी लूटा गया, उनके ऑफिस में तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। निर्मल ने कहा कि ये परिवार अब बहुत खराब स्थिति में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुलना डिवीजन में सबसे ज्यादा हिंसा हुई, जहां चार महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया। उन्होंने अपनी मांगों पर जोर देने के लिए ढाका सहित पूरे देश में शनिवार को राष्ट्रव्यापी विरोध और रैली की भी घोषणा की। वहीं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मंगलवार को हिंसा प्रभावित देश में कानून और व्यवस्था को बेहतर बनाने और विध्वंसकारी गतिविधियों को रोकने के लिए सेना को दो महीने के लिए मजिस्ट्रेटी शक्तियां प्रदान कीं।

लड्डू प्रसादम में जानवरों ...

एनडीए विधायकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पता चला है कि पिछली सरकार ने घी के बजाय घटिया सामग्री और पशु वसा का उपयोग करके तिरुमाला के लड्डू प्रसादम को दूषित कर दिया था। अब जब हम जागरूक हैं, तो हम शुद्ध घी का उपयोग कर रहे हैं। चंद्रबाबू के इस दावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद और भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इससे हिंदू समुदाय की भावनाएं बहुत बुरी तरह आहत हुई हैं। पूरी दुनिया में पूरा हिंदू समुदाय की ओर से पिछली राज्य सरकार की कार्रवाई की निंदा होनी चाहिए। उन्होंने मौजूदा चंद्रबाबू के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले संबंधित अधिकारियों और व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। हालांकि, वाईएस जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली पार्टी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है और इसे दुर्भावनापूर्ण करार दिया है।

मेडिकल काउंसिल...

किया गया है। आरजी कर अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में दो सितंबर को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा घोष की गिरफ्तारी के बाद, डब्ल्यूबीएमसी ने सात सितंबर को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा था कि उनका मेडिकल पंजीकरण रद्द क्यों नहीं किया जाए। मेडिकल काउंसिल ने जारी नोटिस में कहा कि परिषद द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब में आपसे 13 दिन बीत जाने के बाद भी कोई भी स्पष्टीकरण प्राप्त न होने के मद्देनजर, इस परिषद द्वारा अपनाई गई चिकित्सा आचार संहिता की धारा 37 (थ्री) के साथ पठित बंगाल चिकित्सा अधिनियम, 1914 (संशोधित) की धारा 25(ए)(टू) के तहत निहित प्रावधानों के अनुसार 19 सितंबर 2024 से आपका नाम इस परिषद द्वारा बनाए जा रहे पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी के रजिस्टर से हटा दिया गया है। घोष ने अधीनस्थ अधिकारियों को शव को जल्द से जल्द मुर्दाघर में भेजने का कथित तौर पर निर्देश दिया। परास्नातक महिला चिकित्सक का शव नौ अगस्त को आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल से बरामद किया गया था। उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। इस घटना के अगले दिन कोलकाता पुलिस के एक नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। फुटेज में उसे घटना वाले दिन तड़के चार बजकर तीन मिनट पर सेमीनार हॉल में घुसते देखा गया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को इस मामले की जांच कोलकाता पुलिस से सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था जिसने 14 अगस्त को मामले की जांच संभाली थी।

अफगान राजदूतों ने पाक राष्ट्रगान दौरान खड़े होने से किया इंकार

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर में एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान अफगान राजनयिकों द्वारा पाकिस्तान के राष्ट्रगान का सरेआम अपमान करने से विवाद खड़ा हो गया है। मंगलवार को पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में, जब पाकिस्तानी राष्ट्रगान बजाया जा रहा था, अफगानिस्तान के काउंसल जनरल हाफिज मोहिबुल्लाह शाकिर और उनके डिप्टी पूरे समय बैठे रहे। यहां तक कि एक राजनयिक मोबाइल फोन भी चला रहे थे। इस घटना ने पाकिस्तान में गुस्से की लहर पैदा कर दी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राष्ट्रगान का अपमान करना कूटनीतिक शिष्टाचार का उल्लंघन है। हम इस पर काबुल और इस्लामाबाद में अफगान अधिकारियों के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज करवा रहे हैं।

पांडू घाट में लगी गणेश एवं विश्वकर्मा प्रतिमाओं का ढेर

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के मालीगांव एवं पांडू के विभिन्न क्षेत्रों में देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा एवं गणेश पूजा धूमधाम से संपन्न हुई। गणेश एवं विश्वकर्मा पूजा के दौरान जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह उत्सव विश्वकर्मा और गणेश प्रतिमा के विसर्जन के साथ संपन्न हो गया। उल्लेखनीय है कि पांडू घाट में विभिन्न जगह से पूजा समितियां मूर्तियों को विसर्जित करते हैं। लेकिन कुछ पूजा समितियां मूर्तियों को पानी में विसर्जित करने की बदले मूर्तियों को पांडू घाट पर और सड़कों पर छोड़ दिया है। अब तक सौ से अधिक छोटी-बड़ी मूर्तियां पांडू घाट के किनारे और सड़क के किनारे पड़ी हुई हैं। किसी भी सरकारी या निजी संस्था ने अभी तक इन मूर्तियों के उचित विसर्जन की व्यवस्था नहीं की है। स्थानीय नागरिकों की शिकायत है कि लोग हर साल लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी मूर्तियां नदी किनारे रख देते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषण, नदी तट की सुंदरता खराब होने और धर्म तथा संस्कृति की उपेक्षा का खतरा है। नागरिकों और स्थानीय निवासियों ने पूजा समितियों से मूर्तियों का सही तरीके से विसर्जित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

सोनापुर के कचुतली में डोर-टू-डोर लाल स्टीकर

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर में कचुतली के परगोमा में डोर-टू-डोर लाल रंग का स्टीकर लगाया गया है। इन स्टीकरों पर प्रोटेक्टेड लैंड अंडर लैंड बैंक लिखा हुआ है। यह स्टीकर कामरूप (मेट्रो) जिला मजिस्ट्रेट द्वारा लगाया गया है। जिन स्थानों पर यह स्टीकर लगाया गया है उन स्थानों पर बने घरों को शीघ्र ही प्रशासन द्वारा खाली कराया जाएगा। सरकार राज्य के प्रत्येक जिले में लैंड बैंक के तहत सरकारी भूमि को अपने कब्जे में ले रही है। नए नियम के अनुसार खाली पड़े सरकारी जमीन सरकार के लैंड बैंक के अधीन हो जाएंगे। बगैर किसी कागजात या परमिशन के सरकारी जमीनों पर बने घर तोड़ दिए जाएंगे। किसी भी प्रकार के संरक्षित भूमि पर बने घर को संबंधित जिलों का प्रशासन तोड़ देगा, भले ही उस भूमि का मियादी पट्टा ही क्यों न दे दिया गया हो। इसके तहत सरकार पहले भी फॉरेस्ट लैंड, ट्राइबल लैंड, ग्रीनलैंड, वेटलैंड आदि को खाली कर चुकी है। बीते वर्ष गुवाहाटी के सिलशांको बिल में वेटलैंड पर बने अनेक घरों को सरकार ने तोड़ दिया था।

हालांकि, मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने वहां से हटाये गए लोगों को मुआवजा देने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि पूरे राज्य की बात तो दूर राजधानी गुवाहाटी शहर के बीचो-बीच तथा चारों ओर हजारों हजार बीघा वेटलैंड, ग्रीनलैंड, फॉरेस्ट लैंड आदि पर बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं बनी हुई हैं। पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा कई संरक्षित भूमि को फ्री जोन भी बना दिया गया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह सरकार पूर्ववर्ती सरकारों के फैसले को बदलती है, या नहीं।

सड़क दुर्घटना में होमगार्ड की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको के बामुनबाड़ी मंदिरा के समीप हुई एक सड़क दुर्घटना में एक होमगार्ड की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ड्यूटी पूरी कर घर जाते समय सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर से होमगार्ड की स्कूटी जा टकरायी। जिसकी वजह से होमगार्ड राम प्रसाद मंडल (46) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची मंदिरा पुलिस की टीम ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। जिस जगह यह दुर्घटना घटी मृतक होमगार्ड का घर भी वहीं पर था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

आर्य नगर में लगी अग्नि पीड़ित की मदद के लिए आगे आए मायुमं कामाख्या शाखा

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने स्नेहल बीदासरिया की अध्यक्षता में आज लायंस क्लब गुवाहाटी गोल्ड के साथ संयुक्त रूप में मिलकर शराब भट्टी स्थित आर्य नगर छेत्र में भीषण आग लगने से आठ परिवारों को मदद की। इस मुश्किल समय में दोनो संगठनों ने मिलकर कपड़े इकट्ठा कर प्रभावित इलाके के जरूरतमंदो में वितरित कर पीड़ित परिवारों को थोड़ी मदद की। दोनो संगठनों ने पीड़ित परिवारों की सहायता करने के लिए सरकार व अन्य संगठनों से भी अपील की है पीड़ित इलाके का जायजा लेने पहुंचे मृगेन शरणिया (मेयर गुवाहाटी मुनिसिपल कारपोरेशन) ने भी हमे मदद के लिए आगे आने को कहा। पीड़ित स्थान में मदद के लिए कोषाध्यक्ष खुशबू मोर, सह सचिव मीना जैन, संयोजिका जया पारिक, नमिता दुधेरिया उपस्थित थी। यह जानकारी जनसम्पर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने दी।

बिश्वनाथ चारिआलि में आयोजित तीन दिवसीय हिंदी दिवस समारोह संपन्न

बिश्वनाथ (हिंस)। हिंदी राष्ट्र एकता का माध्यम बने तथा हिंदी जन-जन की भाषा बने इसी उद्देश्य से संलग्न हिंदी दिवस समारोह समिति तथा बिश्वनाथ चारिआली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय संचालन समिति के सौजन्य से तीन दिवसीय हिंदी दिवस समारोह का आज संपन्न हो गया। बिश्वनाथ चारिआली के राष्ट्रीय विद्यालय कोसगांव में आज समापन समारोह तथा मूल सभा का आयोजन किया गया। इसका अध्यक्षता हिंदी दिवस समारोह समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने किया। समिति के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने सभा के उद्देश्य व्याख्या की। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बिश्वनाथ जिला के मद्धेशिया वैश्य महासभा के महासचिव नागेश कुमार गुप्ता के साथ ही अन्य वक्ताओं ने

हिंदी भाषा की महत्ता तथा वर्तमान वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों संगीत, देशभक्ति नृत्य आदि की प्रस्तुतित दी गई। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री का संदेश पत्र का वाचन और राजभाषा हीरक जयंती विशेषांक स्मारिका का विमोचन किया गया। साथ ही हिंदी भाषा से संबंधित आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितिय और तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रतिबंधित कफ सिरप समेत तीन गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के छयगांव पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप समेत तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छयगांव पुलिस थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने चांडिका गेट और जियाकुर इलाके में अभियान चलाकर 120 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप समेत तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान आगमुगी के आरजू अली पियारुल इस्लाम और धुमपारा के शरीफ अली के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपितों के पास से पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप के अलावा एक स्कूटी (एएस-01एफडब्लू-5575) और एक पल्सर बाइक (एएस-01बीऐक्स-2231) जब्त किया है। जब्त किए गए प्रतिबंध कफ सिरप की कीमत लाखों रुपए बताई गई है।

बीएसएनएल, असम दूरसंचार का हिंदी पखवाड़ा राजभाषा हीरक जयंती के रूप में मनाया जा रहा है

गुवाहाटी (विभास)। बीएसएनएल असम दूरसंचार परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय पानबाजार, गुवाहाटी में दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ केंद्रीय स्तर पर दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में *हिंदी दिवस एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन* के रूप में दिनांक 14 और 15 सितंबर को मनाया गया। जिसका शुभारंभ भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हुआ। इसके बाद राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के आदेश अनुसार केंद्रीय सरकार के हर कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा जाएगा। इस बार का हिंदी दिवस विशेष है क्योंकि 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पुरे हो रहे हैं और इसलिए इस बार हम इसे *राजभाषा हीरक जयंती* के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर बीएसएनएल के असम परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती रूपा पॉल चौधरी और आमंत्रित अतिथि श्रीमती शर्मिला ताई सहायक निर्देशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन बीएसएनएल भवन, पानबाजार में किया। इस उद्घाटन समारोह में प्रधान महाप्रबंधक (मोबाइल) विपुल अग्रवाल, प्रधान महाप्रबंधक (सीएफए) सत्येन डेका, वरिष्ठ

महाप्रबंधक (प्रशा.) जीतेन्द्र बहादुर सिंह, महाप्रबंधक (ई.बी) वारा प्रसाद काला, मुख्य अभियंता (विद्युत) विजय कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता (सिविल) अमन जैसवाल तथा सर्किल कार्यालय और कामरूप दूरसंचार जिला के कर्मचारी एवं अधिकारी गण उपस्थित थे। इस बार हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रोत्साहन स्वरुप विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए आयोजित की गई है। असम सर्किल के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए, बीएसएनएल मार्केटिंग से संबंधित स्लोगन-लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। उद्घाटन समारोह में कार्यालय के श्रीमती इमोन बोरा भट्टाचार्य ने एक सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुरुवात किया। इसके बाद रमेश कुमार (इ.इ सिविल) ने एक सुंदर कविता पाठ किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ महाप्रबंधक (प्रशा.), मुख्य अभियंता विद्युत और आमंत्रित अतिथि आदि ने भाषण दिए।

धुबड़ी : युवक का शव बरामद

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले की गौरीपुर इलाके में एक युवक शव बरामद की जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गौरीपुर इलाके में स्थित झील के किनारे एक युवक का शव देखे जाने की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर गौरीपुर पुलिस की टीम पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतक के शरीर पर जख्म के निशान पाए गए हैं। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि युवक की हत्या कर शव को झील में फेंका गया होगा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। समाचार लिखे जाने तक पूरी तरह शव के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

बेदब्रत भराली को मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। फिजी में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले बेदब्रत भराली को मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं दी है। आज सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के संदर्भ में असम और भारत के लोगों के लिए एक गर्व संदेश ले जाते हुए, असम के सुपुत्र बेदब्रत भराली फिजी में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के कामयाब रहे हैं। शानदार प्रदर्शन के साथ 73 किलोग्राम वर्ग में यह पदक जीतने के लिए में असम के लोगों को बधाई देता हूं। मैं उन्हें आगे की यात्रा के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं।

उत्तर-पूर्व कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान में पारदर्शिता 4.0 अभियान शुरू

विश्वनाथ (विभास)। भारत सरकार के निर्देशानुसार उत्तर पूर्व कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान ने कल स्वच्छता 4.0 अभियान शुरू किया है। स्वच्छता अभियान की शुरुआत में, निदेशक पी कमलाबाई ने अपने घर-शहर और देश को स्वच्छ बनाने के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित करने के लिए कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की ऑनलाइन निगरानी में शपथ वाक्य पाठ करवाई। इस अभियान में, संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों/प्रशिक्षुओं/प्रशिक्षुओं/आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने *एक पर मां के नाम* नाम शीर्षक अभियान में एक साथ 60 पौधे लगाए। निदेशक पी कमलाबाई ने कहा कि वृक्षारोपण सरकार द्वारा शुरू किए गए *मिशन लाइफ* के उद्देश्यों को पूरा करेगा और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली की शुरुआत होगी और अहम भूमिका निभाएगी। पेड़ मिट्टी और पानी की गुणवत्ता और जैव विविधता में सुधार करके कृषि फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करते हैं। इस मिशन में भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण को रोकने की अपार संभावनाएं हैं। निदेशक पी कामनाई ने कहा स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण अभियान में संस्थान के सभी अधिकारी और कर्मचारी, बहिरंग्य के कृषि विश्वविद्यालय और कॉलेजों से प्रशिक्षण के लिए आए हुए के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

एक बंडल बीड़ी के लिए व्यक्ति ने की पिता की हत्या

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी में एक व्यक्ति ने एक बंडल बीड़ी के लिए अपने पिता को मार डाला। हत्या नलबाड़ी के बालीकरिया में हुई। आरोपी के मृतक पिता की पहचान नृपेन बर्मन तथा आरोपी की पहचान नयन बर्मन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात नयन उर्फ नारद बेहद नशे की हालत में घर आया। एक बंडल बीड़ी को लेकर उसकी अपने पिता से बहस हो गई। बेटे के गुस्से से घबराकर मृतक नृपेन बर्मन दुकान पर गया और बीड़ी नहीं पाने के कारण सिगरेट खरीद कर लाया। रास्ते में सिगरेट लेकर आ रहे पिता पर नयन चिल्लाने लगा। उसने पिता का गला दबाकर उसके सीने में चाकू घोंप दिया। पिता वहीं गिर गया। इसके बाद नयन ने अपने पिता का पैर पकड़कर घसीटकर ले गया।

पाखरीतोल गांव में जिला स्तर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम लोक विसीडिसी के अंतर्गत पाखरीतोल गांव में जिला स्तर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर स्वच्छता के संदर्भ गांव-गांव में किया गया। इस स्वच्छता संदेश कार्यक्रम में इंजीनियर मनोज नंदी, इंजिनियर ऋतुराज चौधरी, फकीराग्राम विसीडिसी चेयरमैन रफीकुल इस्लाम सहित गांव के सैकड़ों लोग मौजूद थे। इस सभा के बाद पोषरोपण कार्यक्रम चलाया गया। अंत में एक रैली के जरिए कार्यक्रम अंत हुआ।

कोकराझाड़ जिले में धूमधाम से मनाया गया विश्वकर्मा पूजा

कोकराझाड़ (विभास)। जिले में धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। जिले के सालाकाटी, एनटीपीसी में आयोजित विश्वकर्मा पूजा के साथ-साथ फकीराग्राम रेलवे पॉवर हाउस, आईडब्लू, पीडब्लू सिंगल विभाग ने धूमधाम विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान फकीराग्राम शहर में मेले का आयोजन किया गया। मेले में काफी संख्या में लोगों ने जमकर खरीददारी की और पूजा का आनंद उठाया। वहीं जिला पीएचई विभाग के मुख्य कार्यालय में भी विश्वकर्मा पूजा का आयोजन कियागया। यहां इंजीनियर हितेश राभा, कार्यकारी इंजीनियर, एक नंबर कोकराझाड़ पीएचई, अनिर्वान बोरा, सहकारी इंजीनियर पीएचई, इंजीनियर जे ब्रह्म, इंजिनियर मनोज नंदी, एई पीएचई कम नोडल ऑफिसर जेजेएम आदि उपस्थित थे। जिला बिजली विभाग कार्यालय में आयोजित विश्वकर्मा पूजा में विधायक रविराम नार्जारी मौजूद थे। साथ ही यह विभाग्य अधिकारी और बड़ी मात्रा में आम लोग उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के झाउडंगा के एक युवक की मेघालय के रास्ते पर हुई सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मानकाचर झाउडंगा से मेघालय के महेंद्रगढ़ की ओर बाइक से जाते समय बाइक अनियंत्रित होकर पुल से नीचे पलट गई। हादसे में मानकाचर थाना के झाउडंगा आरात गांव के मनिरुज्जमान के बेटे आवेदिन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं पुलिस इस सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अनंत चतुर्दशी पर रंगिया और गुवाहाटी में निकली शोभायात्रा

गुवाहाटी/रंगिया (निसं)। पिछले दस दिनों से चल रहे पर्युषण महापर्व के अंतिम दिन स्थानीय भगवान महावीर धर्म स्थल में ब्र. रितु दीदी एवं ब्र. पिंकी दीदी के सानिध्य में दस लक्षण व्रत का पालन करने वाले सभी व्रतधारियों का समाज की ओर से सामूहिक अभिनंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस बार 7 लोगों ने सोलहकारण एवं 54 लोगों ने दस लक्षण व्रत का पालन किया। इस मौके पर दीदी ने कहा कि धर्म का पालन अनेक प्रकार से किया जाता है। मगर तप धर्म का महत्व सर्वोपरि है, क्योंकि जैसे मक्खन से घी निकालने के लिए बर्तन को गर्म करना आवश्यक है, उसी प्रकार कर्मों से आत्मा को पृथक करने के लिए शरीर का तपना भी आवश्यक है। प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि दस लक्षण व्रत करने वाले सभी व्रतीं जनों का सामूहिक पारणा बुधवार को एटी रोड स्थित महावीर भवन धर्मस्थल में किया गया। पर्युषण पर्व के अवसर पर मंगलवार को पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल) ने अपने

संबोधन में कहा कि हम अपने जीवन में एक भी धर्म को उतार ले तो अपना आत्म- कल्याण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में धर्म कार्य करते रहना चाहिए। श्री जैन ने व्रतियों का अभिनंदन भी किया। इससे पूर्व मंगलवार को धर्म स्थल में दस लक्षण धर्म की आराधना अत्यंत श्रद्धा व भक्ति भाव-पूर्वक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ की गई। इस अवसर पर ब्रह्मचर्य धर्म की व्याख्या करते हुए ब्र. रितु दीदी ने कहा कि ब्रह्म अर्थात निज शुद्धात्मा में रमन करना ही ब्रह्मचर्य है। प्रचार प्रसार संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि आज दोपहर 1 अनंत चतुर्दशी के उपलक्ष में श्री दि. जैन (बड़ा) मंदिर से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा महानगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए श्रवण संदेश विस्तारित कर रही थी। जुलूस की समाप्ति महावीर धर्म स्थल पर हुई, जहां अनंत चतुर्दशी का कलशाभिषेक संपन्न हुआ। पंचायत के मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी ने बताया की कार्यक्रम को सफल बनाने में जुलूस व्यवस्था के संयोजक संजय रारा, श्री दिगंबर यूथ फेडरेशन के सदस्यों के अलावा समाज के सभी सदस्यों ने का सहरानीय सहयोग रहा। यह जानकारी प्रचार-प्रसार सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी एवं जय कु. छाबड़ा द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। **रंगिया** से हमारी संवाददाता के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रंगिया में स्थापित श्रीश्री दिगम्बर जैन मंदिर में धार्मिक विधि विधान के साथ पर्युषण महापर्व मनाया गया। इस वर्ष मंदिर प्रांगण में इस महापर्व को रंगिया जैन समाज द्वारा विधि विधान व हर्षोल्लास रूप से मनाया गया है। इस वर्ष मंदिर प्रांगण में पर्युषण पर्व का शुभारंभ गत 7 सितंबर को सुबह पदमचंद, राज, प्रियल, गुणांश पहाड़िया परिवार द्वारा झंडारोहण, अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम व दशलक्षण पर्व पूजन के साथ किया गया। पर्युषण के सभी धार्मिक कार्यक्रम विधि विधान से संपन्न किए गए। महापर्व उपलक्ष्य में रंगिया जैन मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। जैन समाज के वरिष्ठ समाजबंधु कैलाशचंद काला, श्रीपालचंद पहाड़िया, भागचंद पांड्या के उल्लेखनीय सहयोग से मंदिर संचालन समिति अध्यक्ष कैलाश चंद काला, उपाध्यक्ष सुनील कुमार कासलीवाल, महामंत्री राज पहाड़िया, कोषाध्यक्ष विजय कुमार छाबड़ा, सह सचिव विजय कुमार पांड्या, सह कोषाध्यक्ष पवन कुमार काला, सदस्य पवन पहाड़िया, संदीप बाकलीवाल, निखिल पहाड़िया, राकेश कासलीवाल, पंकज गंगवाल, रवीना पांड्या, सुशिला पांड्या, विजीता देवी सहित सभी समाजबंधु का भरपूर सहयोग प्राप्त होने की जानकारी मिली है। मालूम हो कि सकल दिगम्बर जैन समाज रंगिया के अंतर्गत पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर दसलक्षण पर्व के दस उपवास की साधना में रत रहने वाले क्रमशः तपस्वी श्री अशोक काला, तपस्विनी श्रीमती प्रीयंका पहाड़िया, सुश्री मनीषा गंगवाल, अंकीत गंगवाल के उत्कृष्ट साधना की कृत कारित अनुमोदना की गई। सामाजिक अभिनंदन तथा पारणा के साथ दशलक्षण महापर्व संपन्न होने की जानकारी महामंत्री राज पहाड़िया ने दी है।

संपादकीय

'आप' की आतिशी पारी

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया। अब आम आदमी पार्टी (आप) में आतिशी को नया मुख्यमंत्री चुना गया है। उन्हें विधायक दल ने सर्वसम्मति से नेता चुना, क्योंकि वह केजरीवाल की पसंद थीं। आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। जैसे ही आतिशी मुख्यमंत्री पद और कैबिनेट के अन्य चेहरे शपथ ग्रहण करेंगे, उसी के साथ दिल्ली में 'आतिशी पारी' का आगाज होगा। भाजपा की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। सुषमा तो मात्र 52 दिन ही मुख्यमंत्री रहीं, जबकि शीला दीक्षित ने 15 साल 25 दिन तक राजधानी शहर पर शासन किया। आतिशी की ताजपोशी भी अल्पकालिक व्यवस्था है। यदि 'आप' लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में विजयी रही, तो उसके बाद केजरीवाल ही मुख्यमंत्री बनेंगे। क्या तब उन पर सर्वोच्च अदालत की शर्तें लागू नहीं होंगी? क्या नए जनादेश के साथ न्यायिक आदेश के दायरे भी बदल जाते हैं? बहरहाल आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने का समझौता मानसिक तौर पर किया गया है, लिहाजा विधायक दल का नेता चुने जाने के बावजूद आतिशी ने साफ तौर पर बयान दिया है कि दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है-केजरीवाल। वह मेरे राजनीतिक गुरु और बड़े भाई हैं। हमें पूरी ताकत और एकजुटता से प्रयास करना है कि नया जनादेश भी 'आप' को ही मिले और केजरीवाल एक बार फिर मुख्यमंत्री बन सकें। आतिशी ने यह भी कहा कि वह खुश भी हैं और दुखी भी हैं, क्योंकि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया है। वह दुखी मन से ही सत्ता संभालेंगी। दिल्ली के लोग भी व्यथित हैं और रो रहे हैं कि केजरीवाल ने इस्तीफा क्यों दिया?'' राजनीतिक विरोधी और विश्लेषक, बेशक, आतिशी को 'रबर स्टांप', 'रिमोट कंट्रोल' या 'खड़ाऊं मुख्यमंत्री' करार दें, लेकिन वह नाकाबिल नहीं हैं। आतिशी बहुशिक्षित हैं और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से उन्होंने दो मास्टर्स डिग्रियां हासिल की हैं। इसके लिए उन्हें अलग-अलग छात्रवृत्ति दी गई। आतिशी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों की नेता हैं। उन्होंने जल-सत्याग्रह में भी भाग लिया। कई साल अध्यापन का कार्य भी किया। वह अन्ना हजारे के 'भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन और अनशन' की देन हैं। हालांकि राजनीतिक क्षितिज पर आतिशी का उदय बाद में हुआ। यदि उन्हें 'खड़ाऊं मुख्यमंत्री' मान भी लिया जाए, तो ऐसा कौनसा विरला मुख्यमंत्री या मंत्री है, जो आलाकमान की तय लकीर पर न चलता हो? केजरीवाल 9 साल से अधिक समय तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे हैं, झुग्गियों में आम आदमी के लिए काम किया है और भारत सरकार में आयकर आयुक्त के पद पर काम किया है। यानी सवाल प्रशासन और अनुभव का है। इनके अलावा, केजरीवाल 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक हैं, उनके नाम पर ही वोट मिलते हैं, यदि वह कुछ आग्रह करते हैं या नीतिगत सुझाव देते हैं, तो उन्हें आतिशी कैसे खारिज कर सकेंगी? हमारे देश में राजनीतिक दलों के भीतर इतना लोकतंत्र नहीं है कि आलाकमान की परवाह न की जाए। आलाकमान किसी भी मुख्यमंत्री या मंत्री की 'कुर्सी' छीन भी सकता है। बहरहाल आतिशी ऐसी नेता बन गई हैं, जो सिर्फ 12 साल की राजनीति में ही साधारण कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री बन रही हैं। उन्होंने मंत्री रहते हुए 13 विभागों की जिम्मेदारी संभाली है, लिहाजा प्रशासन का अनुभव पर्याप्त होना चाहिए। हालांकि वह पहली बार विधायक चुनी गई थीं और अब दूसरा चुनाव लड़ेंगी। आतिशी प्रत्येक स्तर पर केजरीवाल, पार्टी और सरकार के प्रति निष्ठावान रही हैं। केजरीवाल और अन्य नेताओं ने जांचा-परखा होगा! शराब घोटाले के मद्देनजर और बड़े नेताओं को जेल भेजने के खिलाफ भाजपा और केंद्र सरकार की वह मुखर विरोधी रही हैं। बहरहाल अब उन्हें चुनौतीपूर्ण दायित्व दिया गया है। सबसे पहली चुनौती चुनाव और महिला सम्मान राशि के तौर पर 1000 रुपए प्रति महिला की योजना को लागू करना है। इसके अलावा, कुछ और योजनाएं भी महत्वपूर्ण हैं, जो केजरीवाल के जेल जाने के कारण लटकी-अटकी पड़ी हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) में आतिशी को नया मुख्यमंत्री चुना गया है। उन्हें विधायक दल ने सर्वसम्मति से नेता चुना, क्योंकि वह केजरीवाल की पसंद थीं। आतिशी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। जैसे ही आतिशी मुख्यमंत्री पद और कैबिनेट के अन्य चेहरे शपथ ग्रहण करेंगे, उसी के साथ दिल्ली में 'आतिशी पारी' का आगाज होगा। भाजपा की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। सुषमा तो मात्र 52 दिन ही मुख्यमंत्री रहीं, जबकि शीला दीक्षित ने 15 साल 25 दिन तक राजधानी शहर पर शासन किया। आतिशी की ताजपोशी भी अल्पकालिक व्यवस्था है। यदि 'आप' लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में विजयी रही, तो उसके बाद केजरीवाल ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

स्वास्थ्य को सुकून प्रदान करते हैं और बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैलानी यहां आकर आनंदित होते हैं

प्रवासियों के अनियंत्रित आगमन पर रोक लगे

अनुज आचार्य

देवी-देवताओं की निवास स्थली देवभूमि हिमाचल इधर बीते 40 सालों से भारत के अन्य राज्यों से आकर काम-धंधों के लिए प्रवास कर रहे प्रवासियों, मुस्लिम समुदाय की बढ़ती आबादी, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों, नकली बाबाओं, सोना चमकाने वालों, पॉवर ऑफ अटॉर्नी से जमीनें लेकर स्थायी निवासी के रूप में रह रहे प्रवासियों के कारण स्थानीय हिमाचलियों के लिए संकट का सबब बनती जा रही है।

हिमाचल की आबोहवा एवं प्राकृतिक नजारे सेहत एवं स्वास्थ्य को सुकून प्रदान करते हैं और बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैलानी यहां आकर आनंदित होते हैं। लेकिन देवी-देवताओं की निवास स्थली देवभूमि हिमाचल इधर बीते 40 सालों से भारत के अन्य राज्यों से आकर काम-धंधों के लिए प्रवास कर रहे प्रवासियों, मुस्लिम समुदाय की बढ़ती आबादी, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों, नकली बाबाओं, सोना चमकाने वालों, पॉवर ऑफ अटॉर्नी से जमीनें लेकर स्थायी निवासी के रूप में रह रहे प्रवासियों के कारण स्थानीय हिमाचलियों के लिए संकट का सबब बनती जा रही है और इस वजह से न केवल यहां की डेमोग्राफी अर्थात जनसांख्यिकी में बदलाव आ चुका है, बल्कि यहां की संस्कृति और देव परम्परा के लिए कई तरह की समस्याएं स्थानीय हिमाचली लोगों के समक्ष उभरकर सामने आना शुरू हो चुकी हैं और जिसके कारण आने वाले समय में संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है। दूसरे, हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां अब ज्यादा आबादी का बोझ उठाने और बढ़ती प्रवासियों की भीड़ को समायोजित करने में भी असमर्थ हैं। हाल ही में पालमपुर के भवारना में रह रहे बाहरी राज्य के मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति के नाम पर एक जमीन की रजिस्ट्री होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह रजिस्ट्री फर्जी कृषि प्रमाणपत्र के आधार पर हुई है। मामला सामने आते ही एसडीएम पालमपुर ने इस मामले की जांच करवाने की बात कही है। इसी तरह दूसरा मसला हिमाचल प्रदेश में शिमला के संजौली और मंडी शहर में अवैध मस्जिद निर्माण को लेकर गरमाया हुआ है, जिसको लेकर कुछ हिंदू संगठनों ने 11 और 13 सितंबर को शिमला और मंडी शहरों में बड़ा प्रदर्शन किया। हिमाचल प्रदेश में अब मुस्लिम कट्टरपंथी बढ़ते जा रहे हैं, रोहिंग्याओं का मसला अलग है। एक सूचना के अनुसार हिमाचल में मस्जिदों की संख्या 500 से ज्यादा हो चुकी है, जबकि राज्य सरकार के पास इनका सरकारी आंकड़ा 393 का है। आज की तारीख में हिमाचल प्रदेश में बाहरी राज्यों के प्रवासियों की संख्या

लाखों में पहुंच चुकी है। हिमाचल का कोई भी गांव/कस्बा ऐसा नहीं बचा है जहां स्थानीय लोगों से ज्यादा संख्या बाहर से आए लोगों की न हो। गृह निर्माण के अतिरिक्त इन्होंने अब दूसरे काम-धंधों में भी हाथ आजमाना शुरू कर दिए हैं जिससे स्थानीय युवाओं के समक्ष स्वरोजगार का संकट गहराने लगा है और कई जगहों से इन प्रवासियों की स्थानीय लोगों के साथ झड़पों एवं मारपीट की खबरें भी सोशल मीडिया में पढने-देखने को मिलती रहती हैं। इन हालात में सबसे चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश के पुलिस थानों में इन प्रवासियों का सही तरीके से पंजीकरण नहीं किया जा रहा है। जहां पंजीकरण किया भी जा रहा है, वहां भी ऐसा लगता है कि उनके दस्तावेजों की उनके संबंधित राज्यों के पुलिस थानों से पूरी तरह से वेरिफिकेशन नहीं करवाई जा रही है। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि इन प्रवासियों में से एक समान रूप से बड़ी संख्या के आधार कार्ड पर जन्मतिथि पहली जनवरी ही अंकित है। प्रवासियों के संदर्भ में मंडी से बुद्धिजीवी, लेखक एवं सतत विकास चिंतक प्रवीण शर्मा का उनके फेसबुक वॉल पर आया यह सुझाव भी काबिलेगौर है कि हिमाचल में काम-धंधों की तलाश में आने वाले प्रवासियों से अनिवार्यतः उनका चरित्र प्रमाणपत्र उसके संबंधित राज्य के थाने से उसकी किसी भी आपराधिक गतिविधियों (पूर्व या वर्तमान) में संलिप्त न होने की रिपोर्ट ली जाए। दूसरे, उनसे प्रदेश में जो व्यक्ति उन्हें किराये पर मकान दे रहा है उससे अदालत/नोटरी पब्लिक के माध्यम से यह शपथ पत्र जरूर लिया जाए कि उस प्रवासी के किसी भी मामले मे संलिप्त होने पर पूर्णतया जिम्मेदारी मकान मालिक की ही होगी और तीसरे, मकान मालिकों से यह शपथ पत्र भी अवश्य लिया जाए कि प्रवासी हिमाचल में आने पर रेहड़ी-फड़ी या तहबाजारी जैसे कार्य नहीं करेंगे। ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों को कानूनन यह भी अधिकार दिया जाना चाहिए कि वे प्रवासी किरायेदारों से अथवा उनके मकान मालिक से अतिरिक्त गृहकर वसूलें। यह तीनों दस्तावेज संबंधित थाने में जमा होने पर ही उन्हें ग्राम पंचायत/नगर निकायों से रोजगार के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलना चाहिए और इसका उल्लंघन होने पर जवाबदेही थाना अधिकारी, प्रधान या फिर नगर निकाय प्रमुख की सुनिश्चित की जानी चाहिए। हिमाचल प्रदेश में प्रवासियों की बढ़ती संख्या के अलावा इनके द्वारा गुटका खैनी का प्रचलन एवं स्थानीय युवकों में नशीले पदार्थों के उपभोग से सामाजिक परेशानियां अलग से बढ़ रही हैं। लोग पुलिस को सूचित भी करें तो कैसे करें क्योंकि फिर लोगों की सुरक्षा कौन सुनिश्चित करेगा? थानों में 30 साल पहले के हिसाब से पुलिस कर्मियों की तैनाती है जिसे बढ़ाने की कभी कोई सरकार कोशिश ही नहीं करती है। पुलिस थानों में न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न ही वाहन। शिमला प्रकरण से उपजे हालात के मद्देनजर मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया जाए कि वे प्रदेश की स्ट्रीट वेंडर्स पॉलिसी पर विचार करने के लिए एक संयुक्त समिति का गठन करें। हिमाचल सरकार को प्रदेश में प्रवासियों के अनियंत्रित आगमन पर रोक लगाने के कानूनी प्रावधान करने चाहिए। मुख्यमंत्री के अनुसार हिमाचल प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में आने वाले प्रवासी भारतीयों से हिमाचली नागरिकों के रोजगार एवं सुरक्षा संबंधी सरोकारों और लक्ष्यों पर उनकी सरकार कैसे खरा उतरेगी।

दृष्टि कोण

राज्य व राज्यपाल में विवेकपूर्ण संतुलन जरूरी

शेक्सपियर का एक चर्चित नाटक है मैक्बेथ। स्कॉटलैंड के राजा के दो जनरल उसके खिलाफ हैं। लेडी मैक्बेथ इनमें से एक की पत्नी है। ये लोग मिलकर राजा की हत्या का षड्यंत्र रचते हैं, पर मैक्बेथ हत्या के लिए साहस नहीं जुटा पा रहा। पत्नी उसकी मर्दानगी को चुनौती देती है, उसे कायर, नामर्द और न जाने क्या-क्या कहती है और अंततः मैक्बेथ अपने आप को प्रमाणित करने के लिए राजा की हत्या के लिए तैयार हो जाता है। लेकिन लेडी मैक्बेथ की आत्मा उसे धिक्कारती है और वह आत्महत्या कर लेती है। हाल ही में यह लेडी मैक्बेथ अचानक भारत के मीडिया में चर्चा का विषय बन गयी थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राज्य की मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से की है। यह तो नहीं पता कि ऐसी तुलना करके वह क्या बताना-जताना चाहते थे, पर सवाल उठ रहे हैं कि कोई राज्यपाल इस तरह की बात कैसे कह सकता है। राज्यपाल और राज्य-सरकार के रिश्तों की खटास किसी से छिपी नहीं है। समय-समय पर सी.वी. आनंद बोस अपने राज्य की मुख्यमंत्री की आलोचना करते रहे हैं। अब एक युवा डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में ममता बनर्जी की सरकार कटघरे में है। यह सही है कि ममता के विरोधी इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाह रहे हैं, पर सही यह भी है कि इस निंदनीय प्रकरण में ममता बनर्जी बचाव की मुद्रा में हैं– विरोधी दल तो राज्य सरकार की आलोचना कर ही रहे हैं, राज्यपाल भी खुलकर पश्चिम बंगाल की सरकार की आलोचना में लगे हैं। उनका कहना है कि राज्य की सरकार अपना कर्तव्य निभाने में असफल रही है 'और राज्य की जनता की भावनाओं को नहीं समझ रही।' यहां तक तो बात फिर भी समझ में आती है, पर जब राज्यपाल यह कहते हैं कि 'ममता बनर्जी लेडी मैक्बेथ हैं और उनके साथ कोई मंच साझा नहीं करूंगा' तो मामला गंभीर बन जाता है। राज्यपाल ने अपने इस कदम को राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खड़े होना बताया और कहा कि वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'सामाजिक बहिष्कार' करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता और आर.जी. कर अस्पताल की 'डॉ. अभया' के परिवार के प्रति है और वे विरोध प्रदर्शन कर रहे डाक्टरों के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहना ज़रूरी समझा कि उनकी प्रतिबद्धता भारत के संविधान के प्रति है। पता नहीं राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से करके और राज्य सरकार को अपने कर्तव्य-पालन में असफल सिद्ध होना बताकर वे किस ओर इशारा कर रहे हैं। हमारे संविधान में राज्यपाल के पद की व्यवस्था करके संविधान-निर्माताओं ने एक तरह से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक सेतु बनाया था। अपेक्षा की जाती है कि राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि की तरह काम करेंगे और राज्य की स्थिति के बारे में केंद्र को अवगत भी कराते रहेंगे। राज्यपालों की व्यवस्था करते हुए यह अपेक्षा भी की गयी थी कि राज्यपाल राज्य सरकार के परामर्शदाता भी होंगे। इसके साथ ही यह भी मान कर चला गया था कि इस पद पर सुयोग्य और रोज़मर्रा की दलगत राजनीति से पृथक रहने वाले व्यक्तियों को नियुक्त किया जायेगा। पिछले 75 सालों का अनुभव यह बताता है कि राज्यपालों की नियुक्ति में केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों को ही देखा जाता है। अक्सर ऐसे लोगों को इस पद पर बिठाया गया है जो या तो उम्रदराज हो गये थे या जिन्हें केंद्र में सत्तारूढ़ पक्ष ने अपने हितों के लिये उचित समझा है। आज़ादी पाने के कुछ साल बाद तक तो परंपरा यह भी थी कि राज्यपाल की नियुक्ति के समय संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श भी कर लिया जाता था। तब राज्य सरकार और राज्यपाल में टकराव की स्थितियां भी कम आती थीं। लेकिन केंद्र और राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें बनने के बाद स्थिति बदल गयी। राज्यों में राज्यपाल को केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में देखा जाने लगा और दुर्भाग्य से कुछ राज्यपालों का व्यवहार भी यह बताने लगा कि वे केंद्र सरकार के हितों को अधिक महत्व दे रहे हैं। कुछ राज्यपालों पर केंद्र सरकार के इशारों पर काम करने के आरोप भी लगे। कई बार ऐसी स्थितियां बन गयीं कि यह सवाल भी उठा कि राज्यपाल की आवश्यकता ही क्या है? निश्चित रूप से यह अच्छी स्थिति नहीं है। अब तो अक्सर ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि राज्यपाल के कुछ करने, या कुछ न करने का परिणाम राज्यों की जनता को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे उदाहरण भी हैं जिनमें राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृति के लिए भेजे गये विधेयकों या अन्य मामलों में राज्यपाल के कुछ न करने से काम रुका रह जाता है। बहरहाल, यह सब बातें अपनी जगह हैं, लेकिन देश को इस बारे में तो सोचना ही चाहिए कि राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच तनाव क्यों उत्पन्न हो और कैसे इस तनाव को कम किया जा सकता है, रोका जा सकता है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे सांविधानिक पदों पर बैठे लोगों से एक आदर्श व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। किसी मुद्दे पर मतभेद होने का मतलब किसी प्रकार की शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। आज पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है, वह निश्चित रूप से चिंता का विषय है किसी भी राज्य में ऐसी स्थितियों का बनना अपने आप में दुखद घटनाक्रम का विषय भी है।

कुछ अलग

नए युग बोध की कसौटी

आजकल सच अन्धों का हाथी हो गया है, साहिब। अन्धों ने हाथी के जिस हिस्से को हाथ लगा लिए, वही वह असली हाथी बता जनसाधारण को आश्वस्त कर रहे हैं। किसी के लिए हाथी मात्र एक सूंड है, किसी के लिए भारी भरकम पुष्ट भाग और कोई उसकी टांग छू मात्र उसे पुष्ट स्तम्भ बता रहा है। जनाब, यही हाल देश के प्रजातन्त्र का हो गया है। उसके अलम्बरदार अपने-अपने हिस्से का खण्डित सत्य उछालते हुए एक-दूसरे पर हावी होने की चेष्टा करते रहे हैं और दूसरे को प्रजातन्त्र में प्राप्त अधिकारों के हनन का अपराधी बताते हैं। चुनावों में बाकायदा लोकमत जानने के बाद चुनी हुई सरकार को भी अपनी पूरी अवधि जीने का हक नहीं मिलता। अगर वह अपने सत्ता लोभी स्वनाम-धन्य नेताओं को कुर्सी लोभ से परे नहीं रख पाती। दिन-रात होता है तमाशा मिरे आगे के अन्दाज में जनप्रतिनिधि बिकते हैं, पांसा बदल जाते हैं, अच्छा खासा बहुमत अल्पमत में बदल जाता है। यहां हांका और नीलामी सरेआम होती है, लेकिन जननायक इसे परिवर्तन, बदलाव और क्रांति का नाम देते हैं। अब तो जनता के हितों की सुरक्षा के चलन्त सूत्र वाक्यों का इस्तेमाल भी नहीं होता, बल्कि यही कहा जाता है कि उनके पक्ष की उपेक्षा हो रही थी। इसलिए सत्ता की बाजी पलट दी। यहां क्रांतिवीर के तगमें आसानी से बंट जाते हैं। सत्तारूढ़ नेता ने कुर्सी बचा ली तो वह जनता के हितों का रक्षक सही नेता है। अगर न बचा सका और कुर्सी पर कब्जा बागियों का हो गया तो अब बागी ही परिवर्तन के ध्वजवाहक और जनता के हित रक्षक हैं। आम आदमी तो यह भी नहीं कह सकता कि सत्ता का खेल देखते हुए उसे पौन सदी हो गई। कैसे कह दें कि यह जो पब्लिक है, वह सब जानती है। लेकिन केवल जानने से क्या होता है। जो उनकी आवाज बनने का दम भरते थे, वे तो बिकाऊ हो गए। अपने बिकने को वे परिवर्तन युग का नाम दे सकते हैं। जब तक बिकने की यह प्रक्रिया पूरी न हो जाए, उसे तूफान के आने से पहले की शांति भी तो कहते रहिए। देखो, परिवर्तन का बिगुल बज गया। होने वाले परिवर्तन की धमक पंचतारा होटलों के अभिजात प्रतीक्षा गृहों में अटकी है। जब तक जोर आजमाइश नहीं हो जाती, यह वहीं अटकी रहेगी। चाहे कई सप्ताह न लग जाएं। इस प्रतीक्षा के भारी भरकम बिल कौन अदा करेगा? स्पष्ट है वही खाली खजाना। इसमें बेकारों की कार्य योजनाओं, भूखों का पेट भरने, टूटती सडकों की मरम्मत या महामारी से सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए पैसा नहीं रहता, लेकिन अपने जनप्रतिनिधियों को आरक्षित रखने के लिए पैसा है। नादान लोग सवाल पूछ सकते हैं कि भाई जान जब-जब सत्ता बदलने का यह हांका होता है, यह जनप्रतिनिधि हर नजदीक के इन पंचतारा आश्रय स्थलों में आरक्षित क्यों कर दिए जाते हैं? क्या वे कोई शिकार हैं कि दूसरा कोई उन्हें खदेड़ कर अपनी मचान तक ले जाएगा? क्या इन लोगों का अपना मन, अपनी सोच या अपना कोई चिन्तन नहीं? जिस ओर सत्ता का पलड़ा भारी हुआ, उसी ओर सबका झुकाव क्यों हो जाता है? राजनीति के आखेट के ये ऐसे प्रश्न हैं कि जिनका कभी कोई उत्तर नहीं मिलता। सरेआम सत्ता की बाजियां पलट जाती हैं। लोकमत ने जिस प्रकार के शासन का निर्णय दिया था, वह भुला दिया जाता है। पांसा जिसे मौके के खुदा के हक में बैठे, उसे ही समय का सच और नया युग बोध कह दिया जाता है। युग बोध के ये पैमाने अवसर और अफसर की सुविधानुसार बदल जाते हैं। एक समय के मसीहा या उसके भोंपू के समक्ष लोगों की भूख, नौकरी और जरूरत सर्वोपरि होती है, तब इनके लिए जो परिवर्तन की मशाल लेकर चले, वही सच्चा राष्ट्रनायक है।

देश दुनीया से

इच्छा भी है वासना

हम पैदा होते हैं, पढ़-लिख कर या कोई हुनर सीखकर रोजगार में लग जाते हैं, शादी होती है, बच्चे होते हैं, बच्चों को पढ़ा-लिखा कर शादी करते हैं, सैटल करते हैं, खुद बूढ़े हो जाते हैं और यमराज का बुलावा आने पर दुनिया से विदा हो जाते हैं। फिर जो हमने किया, वही हमारे बच्चे भी करते हैं। इस संसार में अपने जीवन के दौरान हमेशा किसी न किसी इच्छा की पूर्ति में लगे रहते हैं। कभी इम्तिहान में अच्छे नंबर, कभी अच्छी नौकरी, कभी अच्छा जीवनसाथी, कभी बड़ी कार, कभी बड़ा घर, कभी बच्चे का अच्छे स्कूल या कालेज में दाखिला, कभी बच्चों के बच्चे। यह क्रम यूं ही चलता रहता है। हम इच्छाओं से मुक्त नहीं होते, मुक्त नहीं हो पाते। मरते दम तक हमें लगता है कि अभी भी कुछ अधूरा है, अभी भी कुछ और बाकी है, अभी भी कुछ और मिल जाए। वासना तो वासना है ही, शारीरिक मिलन तो वासना है ही, ये इच्छाएं भी वासना का ही रूप हैं, इच्छाएं भी वासना ही हैं।

यह एक शाश्वत क्रम है, एक युनिवर्सल साइकल है। हम पैदा होते हैं, पढ़-लिख कर या कोई हुनर सीखकर रोजगार में लग जाते हैं, शादी होती है, बच्चे होते हैं, बच्चों को पढ़ा-लिखा कर शादी करते हैं, सैटल करते हैं, खुद बूढ़े हो जाते हैं और यमराज का बुलावा आने पर दुनिया से विदा हो जाते हैं। फिर जो हमने किया, वही हमारे बच्चे भी करते हैं। इस संसार में अपने जीवन के दौरान हमेशा किसी न किसी इच्छा की पूर्ति में लगे रहते हैं। कभी इम्तिहान में अच्छे नंबर, कभी अच्छी नौकरी, कभी अच्छा जीवनसाथी, कभी बड़ी कार, कभी बड़ा घर, कभी बच्चे का अच्छे स्कूल या कालेज में दाखिला, कभी बच्चों के बच्चे। यह क्रम यूं ही चलता रहता है। हम इच्छाओं से मुक्त नहीं होते, मुक्त नहीं हो पाते। मरते दम तक हमें लगता है कि अभी भी कुछ अधूरा है, अभी भी कुछ और बाकी है, अभी भी कुछ और मिल जाए। वासना तो वासना है ही, शारीरिक मिलन तो वासना है ही, ये इच्छाएं भी वासना का ही रूप हैं, इच्छाएं भी वासना ही हैं। हम इच्छाएं नहीं छोड़ते, पर कुछ लोग जिन्हें यह भ्रम होता है कि उन्होंने इच्छाएं छोड़ दीं, वो योगी हो गए, उनमें से भी बहुत से लोग इच्छाओं से मुक्त नहीं हैं, क्योंकि उन्हें मोक्ष पाने की इच्छा है। यह समझना आवश्यक है कि इच्छा तो इच्छा ही है, कुछ पाने की ललक वासना ही है, चाहे वह सांसारिक आवश्यकताओं की पूर्ति की इच्छा हो या फिर मोक्ष पाने की इच्छा। चिंता, तनाव, ईर्ष्या, दुख आदि के स्रोत को समझने के लिए हमें अपनी इच्छाओं के मनोविज्ञान को समझना होगा। इच्छा होती है, हम उसके बारे में सोचते हैं, बार-बार सोचते हैं, विचार घनीभूत होता है तो हमारे शब्दों में उतर आता है, शब्द बार-बार दोहराये जाते हैं तो वे हमारे व्यवहार में उतर आते हैं, व्यवहार स्थायी हो जाए तो हम वैसे ही काम करने लगते हैं, काम दोहराया जाए तो आदत बन जाता है, आदत आखिरकार हमारी किस्मत बन जाती है, भाग्य बन जाती है। जब हमें किसी चीज की इच्छा होती है तो हम उसे पाने के लिए कोशिश शुरू कर देते हैं। कोशिशों में हम कई बार सफल होते हैं और कई बार असफल भी। असफलता हाथ लगे और स्वयं पर नियंत्रण न हो तो हमें चिंता होने लगती है, इससे तनाव बढ़ता है, हम दूसरों के साथ अपनी तुलना करने लगते हैं, इससे जलन होती है, ईर्ष्या बढ़ती है जो हमारे दुख का कारण बनती है। हम अपने आसपास देखें या पूरी दुनिया की ओर गौर करें, तो हम पाएंगे कि वो लोग जो बहुत अमीर हैं, वो भी लगातार काम में लगे हैं, भागदौड़ में लगे हैं और ज्यादा से ज्यादा धन इक_ा करने की कोशिश में जुट हैं। दुनिया के पांच सबसे अमीर व्यक्तियों में शामिल बर्नार्ड अर्नाल्ट, एलोन मस्क, जेफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग, लैरी पेज आज भी और, और, और की दौड़ से बाहर नहीं हो सके हैं। हो सकता है कि इनमें से कुछ का इस दुनिया के बहुत से लोगों ने कभी नाम भी न सुना हो। हमारे ही अपने देश में अडानी, अंबानी के नाम की बहुत चर्चा होती है और हम जानते ही हैं कि इस अपार संपदा और वैभव के बावजूद इनकी इच्छाएं खत्म नहीं हुईं। इसके विपरीत जब हम परमात्मा को समर्पण कर दें, जब हम हर कार्य परमात्मा के निमित्त करें, जब हमें किसी भी कार्य के फल से आसक्ति न हो, जब हमें निंदा या प्रशंसा की इच्छा न हो, तभी हम मुक्त हुए। निंदा मिले तो भी खुश, प्रशंसा मिले तो भी खुश। न निंदा का डर, न प्रशंसा की चाह। अब्दुल रहीम खानखाना ने भी यही कहा है- 'चाह गई, चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह, जिनको कछु न चाहिए, वे साहन के साह।' रहीम जी कहते हैं कि जिस व्यक्ति को किसी चीज को पाने की लालसा नहीं है, उसे किसी तरह की चिंता नहीं हो सकती, वह चिंताओं से ऊपर उठ जाता है और उसके मन में अजब सी बेपरवाही आ जाती है, ऐसा व्यक्ति तो राजाओं का भी राजा है। दरअसल ऐसा ही व्यक्ति मुक्त है, ऐसा ही व्यक्ति मोक्ष का अधिकारी है। 'सहज संन्यास मिशन' हमें हमेशा 'ऐटीट्यूड ऑव ग्रैटीट्यूड', यानी हमेशा शुक्रगुजार होने की सीख देता है। निष्काम कर्म का नजरिया शुक्रगुजार रहने का सबसे बढिया तरीका है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने निष्काम कर्म की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि हम साक्षी भाव से अपना फर्ज निभाते चलें। निष्काम कर्म की साधना बहुत आसान है। मैं जब वस्त्र पहनूं तो ये समझूं कि परमात्मा को वस्त्र पहना रहा हूं और भोजन करते वक्त मैं यह समझूं कि यह भोजन परमात्मा को प्रसाद के रूप में चढ़ाया जा रहा है। सहज संन्यास मिशन में हम सीखते हैं कि हमारा शरीर ही मंदिर है, हमारा कर्तव्य ही पूजा है। मैं जो कुछ करूं, वह परमात्मा को अर्पण करके करूं। दिन भर काम करते हुए हम इधर-उधर जाते हैं, वही परमात्मा की परिक्रमा है, मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है। मैं ही परमात्मा हूं, और इस जगत का हर जीव-जंतु परमात्मा का ही अंश है। अब जब हर कोई परमात्मा का अंश है और मेरा हर काम परमात्मा की पूजा है तो मैं झूठ कैसे बोल सकता हूं, किसी को धोखा कैसे दे सकता हूं, फरेब कैसे कर सकता हूं? यही निष्काम कर्म है, यही सहज संन्यास है। वस्तुतः निष्काम कर्म ही सहज संन्यास है। सहज संन्यास की खासियत ही यही है कि इसके लिए हमें अपना धर्म बदलने की आवश्यकता नहीं है।

आप का नजरीया

आर्थिक गुनाहों की मंडी

लेन-देन की सियासत ने बजट के कई पिंजरे बना दिए और अब हकीकत यह कि आर्थिक कमजोरियों की जंजीरें चलने से रोक रही हैं। हिमाचल आर्थिक गुनाहों की मंडी बन गया और हमें मालूम ही नहीं कि वहां हम सभी बिक रहे हैं। हम बिके, इसलिए प्रदेश कर्जदार है। आंकड़ों में प्रदेश, राजनीतिक आवेश और केंद्र का संदेश, आजकल हिमाचल की रूह से सौदेबाजी कर रहे हैं। डोडा की चुनावी जनसभा में देश के प्रधानमंत्री, हिमाचल के वित्तीय हालात को कांग्रेस का असफल मॉडल बता रहे हैं, तो जवाब में संघीय ढांचे पर आक्षेप शुरू हुआ है। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्र से हिमाचल को 23 हजार करोड़ चाहिएं और यह हिमाचल का न्यायिक हक है। पिछले साल की प्राकृतिक आपदा के आज भी अगर वित्तीय घाव सता रहे हैं, तो 9300 करोड़ की मोटी रकम का फासला दर्द का बयां है। हिमाचल सरकार ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू तो कर दिया, लेकिन एनपीएस के 9300 करोड़ केंद्र में विश्रांति कर रहे हैं। जाहिर है यह राशि ओपीएस की गारंटी को अपने संदूक में भर सकती है। राज्य सरकार बीबीएमबी के 4500 करोड़ की लेनदारी के लिए भी केंद्र से मुखातिब है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति में सदैव आफत भरी रहती है और केंद्र के सहारे चलते हुए हिमाचल ने प्रगति के तमाम कसीदे काढ़े हैं। प्रदेश की सियासी क्षमता सरकारी कर्मचारियों को अपना आश्रयस्थल, जबकि केंद्र को प्रश्रय स्थल बना चुकी है। हमारे वित्तीय स्रोत केंद्र के रहमोकर्म पर निर्भर करते हैं और अगर ऐसे में केंद्र और राज्य के सियासी समीकरण आपसी बंधुत्व के भाव में मिल जाएं, तो वक्त गुजर जाता है, वरना टकराव के जिस मोड़ पर सुक्खू सरकार को खड़ा होना पड़ रहा है, वहां सियासत के हथौड़े सतर्क हैं। हिमाचल पहली बार इस तरह के आर्थिक संकट में रेखांकित हो रहा है, जो पहले राष्ट्रीय दृष्टिकोण में बचाव कर लेता था। विडंबना यह है कि छोटे से पहाड़ी राज्य का चीरहरण हो रहा है, कभी अनावश्यक गारंटियों के बोझ से, तो कभी सत्ता की मंजूषा के लिए। आर्थिक संतुलन निरंतर बिगड़ा है, कभी मिशन रिपीट के नाम पर, तो कभी राज दरबार की अदा में। असंतुलन यह भी रहा कि हमारी सियासत सूबेदार पैदा करती रही। सत्ता में राजनीतिक भोज, व्यक्ति केंद्रित सरकारों का ओज और अदला-बदली के फरमान में गलत धारणा का अनुसरण करते-करते यह राज्य शासक को महाराजा बनाता रहा। व्यक्ति पूजा के अवसाद से ग्रसित व्यवस्था ने सरकारों की आलोचना, विपक्ष की भूमिका और समाज की दृष्टि क्षीण कर दी, नतीजतन लाभार्थियों की एक ऐसी कौम खोजी गई, जो चुनाव के वक्त वफादारी निभाए। हिमाचल देश का ऐसा पहला राज्य बना जिसने अपने आर्थिक अस्तित्व की कीमत पर सबसे अहम लाभार्थी बनाने के लिए सरकारी कर्मचारी और सरकारी रोजगार को चुना और हर बार इन्हीं पर चुनावी जुआ खेला। इसी के साथ घोषणाओं के मंच को सजाया तो प्रदेश को अनावश्यक-अनुपयोगी ढांचे में फंसाया।

बिहार के नवादा में महादलित बस्ती में आगजनी के मामले में 11 गिरफ्तार, पुलिस कर रही कैंप

नवादा (हिंस)। बिहार के नवादा में महादलित टोला में दलित दबंगों ने बुधवार की शाम को फायरिंग करते हुए लगभग 80 घरों मैं आगजनी के मामले में पुलिस ने गुरुवार की सुबह तक 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पुष्टि नवादा के एसपी अभिनव धीमन ने की है। डीएम आशुतोष वर्मा का कहना है की घटना के बाद पुलिस पहुंचकर सख्त कार्रवाई की है। दंडाधिकारियों के नेतृत्व में काफी संख्या में पुलिस बल को प्रभावित गांवों में तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी अनहोनी की घटना को अंजाम नहीं दिया जा सके। उन्होंने अभी बताया कि इस अग्निकांड के मुख्य आरोपी नंदू पासवान सहित 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में जो भी दोषी पाए जाएंगे। सभी को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर महादलित टोले में निकट के ही प्राणबीघा दलित टोले के नंदू पासवान के नेतृत्व में 100 से भी अधिक बंदूक हरियो ने गांव को घेर कर आग के हवाले कर दिया था। जिलाधिकारी आशुतोष वर्मा ने भी 21 घरों को पूर्ण रूप से जलने की पुष्टि की है। एक दर्जन से अधिक मवेशी की मौत आग में झुलस कर हो चुकी है। जिसके बाद बड़ी संख्या

में मौके पर पुलिस कैंप कर रही है। पूरा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है। इस घटना में कई मवेशी भी जलकर मर गई। पीड़ित ग्रामीणों ने बताया कि आगजनी में कई मवेशी आदि जलकर मर गईं। घर का सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया है. लोगों के समक्ष खाने-पीने, रहने-सहने की समस्या हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक हुई घटना के कारण लोग कुछ भी नहीं समझ पाए। अचानक गांव पहुंच कर दनादन गोली चलाना शुरू कर दी। जिसके बाद अफरातफरी मच गई। गोली चलने की आवाज सुनकर लोग सहम उठे। जान बचाने के लिए लोग इधर-उधर भागने लगे। इसी बीच घरों में आग लगा दी गई। इस दौरान वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया गया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गत साल नवंबर महीने में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था। तब पुलिस ने मामले में कोई ध्यान नहीं दिया. कोर्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई गई. इसके बावजूद पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय बनी रही। जिसका नतीजा है कि आज गांव को आग के हवाले कर दिया गया है। घटना में गोरेलाल, झपसी मांझी, संजय मांझी, नितय मांझी, रामचंद्र मांझी, भोला मांझी, तारा मांझी, ललिता देवी, अवधेश मांझी, मनोज मांझी, डोमा मांझी, डोमा रविदास, गेंदो मांझी, सुरेश मांझी, विजय रविदास, शोभा देवी, सरिता देवी, सुरुप मांझी, नवल मांझी, निलेश मांझी, रंजीत मांझी, साहेब मांझी, रंगुना मांझी, भोला मांझी, धर्मेंद्र मांझी, अनिल मांझी, रामवृक्ष रविदास, सूरज रविदास, किशोरी रविदास, सिया रविदास, राजेंद्र मांझी आदि के घरों को फूंक दिया गया। तकरीबन 80-85 लोगों के घरों में आग लगाने की बात कही जा रही है। घर तथा सामान जलकर राख होने के बाद पीड़ित परिवार खुले आसमान में जीने को मजबूर है। उनके पास खाने को दाने भी नहीं है। गांव में अभी तनाव का माहौल कायम है। भारी संख्या में पुलिस बल तनाव किए गए।

अलवर कलेक्टर की पहली जनसुनवाई में उमड़ी भीड़

अलवर (हिंस)। जिले की नवनियुक्त कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला की पहली जनसुनवाई गुरुवार कोमिनी सचिवालय में हुई। समय से पहले ही सैकड़ों परिवादी सचिवालय में पहुंच गए और लाइन में लग गए। जब तक जनसुनवाई शुरू हुई तो परिवादियों की लंबी लाइन लग गई। फरियादी पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं सहित अतिक्रमण, पुलिस और प्रशासन की शिकायत आदि समस्या लेकर पहुंचे थे। कई फरियादी ऐसे भी थे जो बार-बार आए लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। बैठक में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में 200 से अधिक फरियादी पहुंचे थे। जनसुनवाई में सभी विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। अलवर में डॉ. अर्तिका शुक्ला ने नए कलेक्टर के रूप में कुछ दिन पहले पदभार ग्रहण किया है। आज उनकी पहली जनसुनवाई थी। उन्होंने जॉइनिंग के दूसरे दिन ही शहर का निरीक्षण किया। शहर की सबसे बड़ी सफाई की समस्या को देखते हुए उन्होंने निरीक्षण के दौरान मिली गंदगी को देखते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई थी।

भाजपा की नकारात्मक सोच का जवाब देकर कांग्रेस के पक्ष में करें मतदान : पायलट

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र में, जन भावनाओं में कोई विश्वास नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय के कारण आज जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। भाजपा तो यहां चुनाव कराना नहीं चाहती थी। पायलट दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर के चुनावी दौरे पर रहे। जम्मू-कश्मीर के अपने चुनावी कार्यक्रम के दौरान पायलट ने सुरनकोट (जिला पूंछ), थाना मंडी (जिला राजौरी), जम्मू दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों सहित राजौरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। जम्मू-कश्मीर के चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित चुनावी सभाओं में पायलट ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की जनता की भलाई के लिए ऐसा क्या काम किया जिसके नाम पर आज जनता से वोट मांग रही है। उन्होंने कहा कि अपनी बैसाखियों की सरकार को बचाने के लिए केंद्र सरकार ने लाखों करोड़ों रुपए एक-दो राज्यों में बांट दिए और जिनमें जरूरत थी, जिनसे भाजपा ने वादे किए थे। वहां कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वह धन्यवाद देते है कि देश की जनता को जिसने भाजपा की नकारात्मक सोच और घमण्ड का जवाब देते हुए लोकसभा चुनावों को भाजपा को बहुमत पार नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को डराकर, भय का वातावरण पैदा कर सत्ता पर काबिज होना चाहती है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि भाजपा की भय, पक्षपात, भाई से भाई को लड़ाने की, द्वेष की राजनीति का पुरजोर जवाब देते हुए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें।

आर्मी कमांडर सप्त शक्ति कमांड ने किया बीकानेर सैन्य स्टेशन व महाजन फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा

जयपुर (हिंस)। सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बीकानेर मिलिट्री स्टेशन और महाजन फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया। आर्मी कमांडर ने रणबांकुरा डिवीजन की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने डिवीजन के प्रौद्योगिकी निवेश और ऑपरेशनल नवीनीकरणों को देखा। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देने वाली संस्था की हरित पहल और अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं की सराहना की। पीआरओ (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि आर्मी कमांडर ने महाजन फील्ड फायरिंग रेंज का भी दौरा किया तथा आर्टिलरी एवं आर्मर फॉर्मेशन की तैनाती और एकीकृत फील्ड फायरिंग अभ्यास को भी देखा। उन्होंने सभी रैंकों के प्रशिक्षण, व्यावसायिकता और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता के उच्च मानक की सराहना की और उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और मल्टी-डोमेन युद्ध के लिए ऑपरेशनल तैयारियों के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

पंजाब में बनेंगे लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू के पार्ट्स

मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने की भगवंत सिंह मान से मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने प्रदेश में निवेश के उद्देश्य से गुरुवार को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की और पंजाब में अपने प्रोजेक्ट का विस्तार करने और लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू के अहम पार्ट्स बनाने की इच्छा जताई है। मॉडर्न ऑटोमोटिव्स लिमिटेड के प्रतिनिधि आदित्य गोयल, सुहेल गोयल और मनीष बग्गा ने मुख्यमंत्री मान से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि मॉडर्न ऑटोमोटिव्स देश की पहली कंपनी है, जिसे जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ए.जी. म्यूनिख द्वारा पिनियन शाफ्ट की डिलीवरी के लिए मंजूरी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि 150 करोड़ रुपए की लागत वाले 25 लाख यूनिट्स के लिए ऑर्डर की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि विकास और परीक्षण के लिए सैकड़ों करोड़ रुपए के निवेश वाले मॉडल शामिल किए जाएंगे। यह पूरा काम एक ही स्थान पर होगा, जिससे अतिरिक्त उत्पादन इकाइयां जोड़ी जाएंगी और इससे न केवल और अधिक राजस्व आएगा बल्कि रोजगार के कई अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि निवेश कंपनी को भविष्य की योजनाओं के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने अगले महीने प्लांट की नींव रखने के लिए प्रतिनिधिमंडल के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि यह गर्व और संतोष की बात है कि प्रमुख ऑटोमोटिव दिग्गज बीएमडब्ल्यू के पार्ट्स अब प्रदेश में तैयार किए जाएंगे। इस संबंध में भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह कदम पंजाब को अंतर्राष्ट्रीय नक्शे पर उजागर करने के साथ राज्य के औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगा। राज्य में निवेशकों की भलाई के लिए सही मायनों में सिंगल विंडो सिस्टम वाली उद्योग-समर्थक सरकार है। उन्होंने कहा कि पंजाब संभावनाओं की धरती है और दुनिया भर की प्रमुख कंपनियां राज्य में निवेश करने के लिए तैयार हैं। मान ने कहा कि पंजाब में सामाजिक एकता, औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल माहौल और औद्योगिक शांति है, जो इसके सर्वांगीण विकास, समृद्धि और प्रगति को प्रोत्साहित कर रही है।

रतिया में भाजपा प्रत्याशी को किसान आंदोलन के विरोध का करना पड़ सामना

फतेहाबाद (हिंस)। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार के लिए पहुंच रहे भाजपा प्रत्याशियों को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। जिले में किसान आंदोलन का गढ़ रहे रतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को क्षेत्र के गांव भूथनकलां में ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। चुनाव प्रचार के दौरान ग्रामीणों ने उनसे खूब सवाल-जवाब किए। रतिया विधानसभा के क्षेत्र के गांव भूथनकलां में बुधवार शाम को प्रचार के लिए गांव में पहुंचे भाजपा नेताओं का गांव के लोगों ने विरोध किया। रतिया विधानसभा सीट से भाजपा ने पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को मैदान में उतारा है। वह रतिया से पहले भी विधानसभा चुनाव लड़ चुकी हैं। बुधवार शाम को चुनाव प्रचार के लिए सुनीता दुग्गल के भूथनकलां पहुंचने की सूचना मिलते ही किसान इकट्ठा होना शुरू हो गए। भाजपा प्रत्याशी जब गांव के चौक में जनसभा को

संबोधित करने लगी तो वहां इकट्ठा हुए किसानों ने नारेबाजी करनी शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने भाजपा प्रत्याशी के सामने गांव की समस्याओं को उठाया और किसान आंदोलन को कुचलने, पहलवान बेटियों के शोषण से लेकर मजदूर कॉपी बनाने में फैले भ्रष्टाचार, मनरेगा का काम व बजट घटाने, सरकारी स्कूल में फीसें लगाने, फौजी की अग्निवीर योजना समेत अनेक मुद्दों पर जमकर सवाल-जवाब किए। इस दौरान सुनीता दुग्गल ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और भाजपा सरकार बनने पर उनका समाधान करवाने का भी आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने उनके खिलाफ नारेबाजी भी की। किसानों के विरोध को देखते हुए मौके पर मौजूद पुलिस कर्मचारियों ने नारेबाजी कर रहे ग्रामीणों को शांत करवाया और किसानों से बात की। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी दूसरे गांव के लिए रवाना हो गई। इस घटना का एक वीडियो भी गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी और सपा अध्यक्ष अखिलेश में जुबानी हमले तेज होने से उप्र में सियासी पारा चढ़ा

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। इसमें दोनों ओर से निशाना साधे जा रहे हैं, जिससे यह सियासी लड़ाई दिलचस्प हो गई है। गुरुवार को प्रभु श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में जब मुख्यमंत्री योगी जनसभा को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष पर तीक्ष्ण व्यंग्य कस रहे थे तो वहीं उस वक्त लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए बयान दे रहे थे। अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी के बयान पर जुबानी काउंटर अटैक करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मठाधीश मुख्यमंत्री है। मठाधीश मुख्यमंत्री से उम्मीद ही क्या करेंगे आप? बीजेपी जब से लोकसभा चुनाव हारी है तब से संतुलन बिगड़ा हुआ है। उन्होंने (मुख्यमंत्री) कहा सपा और कांग्रेस भस्मासुर है, भस्मासुर दो नहीं हो सकते हैं। बीजेपी अपने (हार के जिम्मेदार) भस्मासुर को ढूंढ़ रही है। यह बातें सपा अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही। उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मेरठ में मकान हादसे के पीड़ितों की मदद के नाम पर भी सरकार में भेदभाव हुआ है, कम से

कम सरकार को गरीब के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। समाजवादी पार्टी की मांग है कि सरकार को पीड़ितों को 10 लाख रुपयों की मदद करनी चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में जानवरों की समस्या से निपटने के लिए बुलडोजरी सोच से उभरना होगा। उन्होंने बहराइच में भेड़ियों के आतंक को लेकर योगी सरकार पर तंज कसा और कहा कि इन भेड़ियों को नहीं पकड़ पा रहे हैं तो ठोको नीति के तहत एसटीएफ को जिम्मेदारी दे दीजिए। अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर में खुद, जो मुख्यमंत्री का जिला है, वहां लोग महीनों से परेशान हैं बाढ़ के कारण। दरअसल ये भाजपाई रिपोर्ट है जो तैयार हुई है, वन नेशन वन इलेक्शन और वन डोनेशन। जो क्रोध करेगा वो योगी नहीं हो सकता, इसलिए मठाधीश मुख्यमंत्री हैं ये।

जल भराव और सड़कों पर गड्ढों का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

अजमेर (हिंस)। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गंगाराम मूलचंदानी ने कहा कि अजमेर के बारे में वर्तमान में जल भराव, सार्वजनिक मार्गों पर गड्ढों, चिकित्सालयों में अनियमिता की शिकायतें मिली हैं, उसे संज्ञान में लिया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि इस बार राजस्थान में बरसात ज्यादा अधिक रही। अभी भी बरसात का दौर चल रहा है। सड़कें बारिश के कारण खराब हुई हैं। नगर निगम और प्रशासन अपने हिसाब से त्वरित रूप से ठीक करवा रही हैं। मानवीय मूल्य बिल्कुल बरकरार रहेंगे। लोगों की जो भी दिक्कत हैं, उसे जल्द दुरुस्त करवाया जाएगा। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष मूलचंदानी गुरुवार को अजमेर पहुंचे। उन्होंने यहां दौरा किया और क्लाक टावर पुलिस थाने का निरीक्षण किया।

कांग्रेस के पास विजन नहीं झूठ का पिटारा है : नायब सैनी

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की सियासत में गर्मी बढ़ती जा रही है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच तीखी जुबानी जंग छिड़ी हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत के गन्नौर विधान सभा क्षेत्र के गांव दातौली कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अब बूढ़ी हो चुकी है। उसे राम नाम का जप करना चाहिए। भाजपा देवेंद्र कौशिक के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए गुरुवार को मुख्यमंत्री सैनी ने भूपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि हुड्डा सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार और दंगों को कोई नहीं भूला है। कांग्रेस ने झूठ का पिटारा खोल दिया है। मुख्यमंत्री सैनी ने भरोसा जताया कि बीजेपी तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई बगावत नहीं है, और पीएम मोदी व बीजेपी आलाकमान द्वारा भेजे अधिकृत उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक हैं, धोखे में ना रहे कि दूसरा कोई चुनाव जीतेगा तो भाजपा में जाएगा या कांग्रेस की गोद में जाकर बैठेगा। धोखा छलावा है भाजपा के अपने उम्मीदवार देवेंद्र कौशिक है। इनको आपने जीत दिलानी है। बीजेपी के घोषणापत्र को लेकर सीएम सैनी ने कहा कि विजय संकल्प पत्र ऐतिहासिक है और इसमें किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1 लाख 35 हजार लोगों के सुझावों के आधार पर यह घोषणापत्र तैयार किया गया है। कांग्रेस के घोषणापत्र को *झूठ का पिटारा* बताते हुए सैनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा जनता से झूठ बोलती आई है।

दौसा में 35 फीट गहरे गड्ढे में फंसी दो साल की मासूम बच्ची को बचाया

दौसा (हिंस)। जिले के बांदीकुई उपखण्ड के जोधपुरिया गांव में बोरवेल के पास बने 35 फीट गहरे गड्ढे में फंसी दो साल की मासूम नीरू को 17 घंटे बाद राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) ने सुरंग खोदकर सकुशल बाहर निकाल लिया। दरअसल बुधवार शाम करीब 5 बजे खेलते वक्त मासूम बच्ची गड्ढे में गिर गई थी। जिसके बाद दौसा से पहुंची सिविल डिफेंस की टीम ने निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी ली। इसके बाद एनडीआरएफ को बुलाया गया। जहां बच्ची को बचाने के लिए एनडीआरएफ की टीमों ने लगातार 12 घंटे तक खुदाई की थी। गुरुवार सुबह एक पाइप के जरिए टीमें बच्ची तक पहुंची। जिसे करीब 10.10 बजे सुरक्षित बाहर निकाला गया। नीरू गुर्जर (2) को जैसे ही टीमों ने बाहर निकाला पूरा क्षेत्र वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत फिलहाल सही बताई जा रही है। पूरे आपरेशन के दौरान दौसा के जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने पूरे समय मौके पर ही मौजूद रहकर टीम की हौंसला अफजाई की। यहां बच्ची

को बचाने के लिए टीमों द्वारा 12 बार कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। रात 2 बजे तक एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने गड्ढे से बच्ची को बाहर निकालने के लिए देसी जुगाड़ एंगल सिस्टम का उपयोग किया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद लालसोट से आई टीम ने रात 2 बजे से सुबह 5 बजे तक लगभग 10 बार एंगल सिस्टम का इस्तेमाल करके बच्ची को गड्ढे से निकालने की कोशिश की, लेकिन फिर भी वे सफल नहीं हो पाए। रात 3 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान लालसोट से आई टीम ने बच्ची को बाहर निकालने के लिए बोरवेल के पास गड्ढे में एंगल डाला।

लकी लक्ष्मी महोत्सव के नए आगाज के साथ जयपुर शहर होगा रोशन

जयपुर (हिंस)। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) ने अपने बहुप्रतीक्षित लकी लक्ष्मी महोत्सव की घोषणा कर दी है। जो इस बार गेट ब्लेस्ड, बी लकी थीम के साथ जयपुर में भव्य रूप से आयोजित होने जा रहा है। बारह अक्तूबर से छब्बीस नवम्बर तक चलने वाले इस वर्ष का महोत्सव पिछले आयोजनों से मिली महत्वपूर्ण सीख के आधार पर और भी बेहतर व गहन अनुभव प्रदान करने का वादा करता है। यह नवीनीकृत महोत्सव जयपुर के प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें आभूषण विक्रेताओं को उपभोक्ताओं से सीधे जुड़ने के लिए शानदार मंच मिलेगा। इस आयोजन में कई नए डिजाइन और बेहतरीन शिल्प कौशल के माध्यम से आधुनिक और पारंपरिक आकर्षण का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। लगभग दस करोड़ रुपए के पुरस्कार के साथ लकी लक्ष्मी महोत्सव में आकर्षक प्रतियोगिताएं और रोमांचक गतिविधियां होंगी। जिनका उद्देश्य भारतीय आभूषण इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करना और प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान

करना है। इस महोत्सव में भाग लेने वाले लोगों को निश्चित उपहार जीतने के कई अवसर मिलेंगे और वे साप्ताहिक और बंपर पुरस्कार ड्रा में भी हिस्सा ले सकेंगे। विभिन्न विज्ञापन और मार्केटिंग चैनलों के माध्यम से किए गए व्यापक प्रचार प्रयासों के कारण इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्टोर्स पर बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। जिससे यह आयोजन और भी जीवंत और उल्लासपूर्ण बन जाएगा। इसके साथ ही जीजेसी आगामी बी2बी इवेंट, जीजेसी- इंडिया जेम एंड ज्वैलरी शो की तैयारी में जुटा है। जो मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन उद्योग के पेशेवरों को जोड़ने, नेटवर्किंग करने और नए व्यापारिक अवसरों का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन सैय्यम मेहरा ने इस नए प्रारूप के प्रति अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा कि हम लकी लक्ष्मी महोत्सव को उसके नए और उन्नत रूप में प्रस्तुत करते हुए बेहद खुश हैं। महत्वपूर्ण फीडबैक के आधार पर, हमने इस साल के आयोजन को और भी रोमांचक और पुरस्कृत बनाने के लिए कई नए तत्व जोड़े हैं। हम जयपुर के ज्वेलरी मार्केट और उसके आगे के क्षेत्रों में इस महोत्सव के प्रभाव को देखने के लिए उत्सुक हैं। जीजेसी के डायरेक्टर और लकी लक्ष्मी महोत्सव के संयोजक कमल सिंघानिया ने कहा कि इस साल का महोत्सव ग्राहकों और ज्वेलर्स दोनों के लिए नए उत्साह और अवसर लेकर आया है। हमारे उन्नत ऑफर और इनामों की विविधता के साथ, हम समृद्धि और सफलता का भव्य तरीके से जश्न मनाना चाहते हैं। हम सभी को आमंत्रित करते हैं कि वे लकी लक्ष्मी महोत्सव में भाग लें और इसका भरपूर लाभ उठाएं।

स्टार्टअप के साथ मिलकर फूड प्रोसेसिंग को बेहतर बनाने की हो रही कोशिश : पासवान

कहा-खाद्य एवं प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों को सशक्त बनाने में निभा रहा अहम भूमिका

नई दिल्ली।
केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में पासवान ने कहा, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 मेगा फूड इवेंट के माध्यम से हम कोशिश कर रहे हैं कि न सिर्फ राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और स्टार्टअप के साथ मिलकर हम फूड प्रोसेसिंग को बेहतर बना सकें।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा, 2017 में जब हमने पहला वर्ल्ड फूड इंडिया का आयोजन किया था, तब हमारा उद्देश्य प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को ग्लोबली प्रमोट करना था। इस सोच के साथ हमने 2017 में इसकी शुरुआत की। लेकिन गुरुवार को जब हम इसका तीसरा एडिशन लेकर आए हैं, हमारा लक्ष्य है कि प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़े सभी साथियों को आसान व्यापार अवसर मिले और हम उनके साथ सहयोग कर सकें। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने कहा कि खाद्य एवं प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन में इस क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र को वैश्विक मंच पर ले जाने के उद्देश्य से वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया है। वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के उद्घाटन पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि खाद्य एवं प्रसंस्करण क्षेत्र की क्षमता को पहचानना एक सराहनीय पहल है। जोशी ने प्रसंस्करण उत्पाद की गुणवत्ता और ब्रांडिंग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में देश खाद्य एवं प्रसंस्करण क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा। नई दिल्ली में आयोजित चार दिवसीय ये मेगा फूड इवेंट 19 से 22 सितंबर तक चलेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

साल का सबसे बड़ा आईपीओ लाएगी सार्वजनिक बिजली कंपनी एनटीपीसी

मुंबई । सार्वजनिक बिजली कंपनी एनटीपीसी इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की योजना बना रही है। इसके लिए उसने सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल कर लिया है। कंपनी का कहना है कि उसकी सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ में केवल नए शेयर जारी किए जाएंगे। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में केवल नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस कंपनी के ग्रीन एनर्जी पोर्टफोलियो में छह से अधिक राज्यों में मौजूदगी के साथ सौर और पवन ऊर्जा एसेट्स शामिल हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की परिचालन क्षमता 31 अगस्त तक 4,071 मेगावॉट थी। इसमें 3,071 मेगावॉट सोलर और 100 मेगावॉट विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इस आईपीओ से होने वाली इनकम में से 7,500 करोड़ का उपयोग एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी का कर्ज कम करने और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

पूर्वा ग्रीन पावर ने इकोरेन एनर्जी इंडिया के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । सीईएससी की शाखा पूर्वा ग्रीन पावर प्राइवेट लिमिटेड ने 686.85 मेगावाट तक की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए इकोरेन एनर्जी इंडिया के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सीईएससी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इकोरेन एनर्जी इंडिया न तो संबंधित पक्ष है और न ही इसके प्रवर्तक या प्रवर्तक समूह का हिस्सा है। कंपनी सूचना के अनुसार उसकी अनुषंगी कंपनी पूर्वा ग्रीन पावर ने 686.85 मेगावाट तक की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए इकोरेन एनर्जी इंडिया के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि परियोजना तीन वर्षों के भीतर पूरी हो जाएगी। हालांकि इसके लिए विभिन्न प्राधिकरणों से संबंधित लाइसेंस, परमिट और अनुमोदन मिलना जरूरी है।

रात 10 बजे के बाद बदल जाएगा टीनएजर्स का इंस्टाग्राम अकाउंट!

नई दिल्ली । दुनियाभर में करोड़ों लोग इंस्टाग्राम का उपयोग करते हैं। वाटसएप की तरह इंस्टाग्राम भी अपने यूजर्स को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रयास करता रहता है और नए-नए फीचर अपडेट करता है लेकिन आज के समय में छोटे बच्चे से लेकर बड़ों तक सभी इसे यूज करते हैं। इससे कई क्राइम भी हो रहे हैं। इसी कड़ी में इंस्टाग्राम ने टीनएजर्स की सुरक्षा देखते हुए नया ऐलान किया है। अब उन्हें इंस्टाग्राम टीन एकाउंट मिलेगा। इंस्टाग्राम टीन एकाउंट में यूजर्स की प्राइवेसी और सेफ्टी का काफी ध्यान रखा गया है।

देश में जस्ता की खपत अगले 10 वर्षों में 20 लाख टन बढ़ने का अनुमान

उदयपुर । अंतरराष्ट्रीय जस्ता संघ (आईजेडए) ने गुरुवार को कहा कि भारत की जस्ता की खपत अगले 10 वर्षों में मौजूदा 11 लाख टन से बढ़कर 20 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है। हाल ही में जिंक कॉलेज 2024 कार्यक्रम के दौरान आईजेडए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में जस्ता की खपत व मांग 11 लाख टन है, जो भारत में वर्तमान उत्पादन से अधिक है। अगले 10 वर्षों में इसके 20 लाख टन से अधिक पहुंचने की संभावना है। यह एक अनुमान है। जिंक कॉलेज का आयोजन हर दो साल में अंतरराष्ट्रीय जस्ता संघ (आईजेडए) द्वारा सदस्य कंपनी के साथ साझेदारी में किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक उत्पादन के मामले में वैश्विक जस्ता बाजार करीब 1.35 करोड़ टन प्रति वर्ष है। एक बड़ा अंतर यह है कि अगर जस्ता के प्रति व्यक्ति उपयोग की बात करें तो वैश्विक औसत पर यह भारत में होने वाले उपयोग से करीब चार से पांच गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए जस्ता के उपयोग को बढ़ाने की जरूरत है। वैश्विक स्वचालन क्षेत्र में करीब 90 से 95 प्रतिशत गैल्वेनाइज्ड स्टील का इस्तेमाल किया जाता है। भारत में इस क्षेत्र में इस्पात को जंग से बचाने वाला जस्ता केवल 23 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हम भारत में स्वचालन बाजार में गैल्वेनाइज्ड स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि इसे विश्व के अन्य हिस्सों के बराबर लाया जा सके।

मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार

बाजार में मजबूती के बावजूद निवेशकों को 2.04 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के फैसले का असर गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार पर भी नजर आया। भारतीय शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए कारोबार की शुरुआत की। पहले घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी खरीदारी के सपोर्ट से मजबूती के एक और नए शिखर पर पहुंचने में सफल रहे, लेकिन बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी ऊपरी स्तर से लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

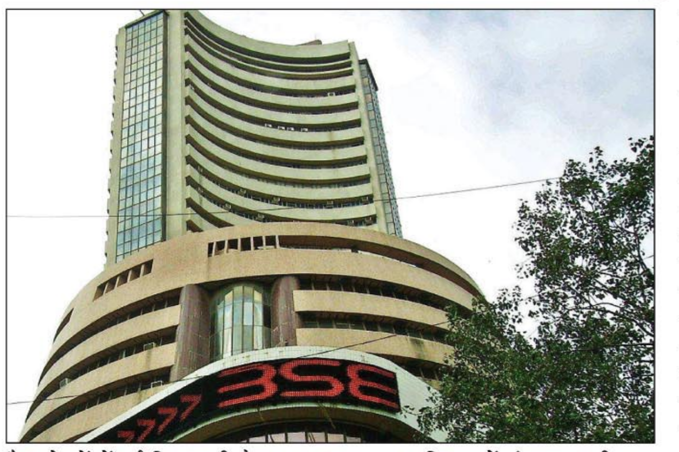

गुरुवार को दिनभर के कारोबार के दौरान टेलीकॉम सेक्टर में जबरदस्त बिकवाली हुई, जिसके कारण टेलीकॉम इंडेक्स 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। इसके अलावा आईटी, कैपिटल गुड्स, टेक, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स में भी बिकवाली का दबाव नजर आया। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी गुरुवार को छोटे और मझोले शेयरों में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.06 प्रतिशत टूट कर गुरुवार को कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 465.68 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 2.04 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

गुरुवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,075 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,246 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,734 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 95 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,470 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 678 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,792 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स गुरुवार को 410.94 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 83,359.17 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 825.38 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 83,773.61 अंक तक पहुंच गया। हालांकि सेंसेक्स की ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी, क्योंकि इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 236.57 अंक की तेजी के साथ 83,184.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 109.50 अंक की बढ़त के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,487.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 234.40 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च शिखर 25,611.95 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 235 अंक से ज्यादा टूट कर 1.50 अंक की कमजोरी के साथ कुछ देर के लिए लाल निशान में 25,376.05 अंक तक भी पहुंचा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से रिकवरी करके 38.25 अंक की तेजी के साथ 25,415.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एनटीपीसी 2.37 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 1.75 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.49 प्रतिशत, नेस्ले 1.43 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बीपीसीएल 3.47 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.88 प्रतिशत, ओएनजीसी 1.77 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 1.44 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

भारत 2019 में ब्रिटेन को पछाड़ते हुए 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया: पुरी

ह्यूस्टन ।
पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2019 में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए वह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डी.सी. मंजूनाथ द्वारा हाल ही में यहां इंडिया हाउस में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में पुरी ने वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र, खासकर हरित हाइड्रोजन और एयरोस्पेस (वांतरिक्ष) में ह्यूस्टन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने अमेरिका-भारत रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग की आधारशिला बताया। पुरी ने हाल के चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दल की राजनीतिक सफलताओं को रेखांकित किया और कहा कि मोदी के शासन में 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर देश 2019 तक ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मंत्री ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी शहरी विकास पहलों की ओर इशारा करते हुए कहा कि देश ने 2017 से 2024 तक शहरी योजनाओं के लिए 25 अरब अमेरिकी डॉलर (1.57 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने की प्रतिबद्धता जतायी है। पुरी ने ऊर्जा नवाचार के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में ह्यूस्टन की सराहना की और कहा कि 2019 में 'हाउडी मोदी' जैसे कार्यक्रमों ने भारतीय-अमेरिकी संबंधों की ताकत को दर्शाया है। मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों, खासकर चिकित्सा तथा इंजीनियरिंग में भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की तथा विदेश में रहते हुए भी सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया।

डीटीपीए ने की आयकर पोर्टल पर टैक्स ऑडिट फाइलिंग में कठिनाई दूर करने की मांग

कोलकाता। आयकर पोर्टल पर टैक्स ऑडिट फाइलिंग में आ रही दिक्कतों को लेकर डायरेक्ट टैक्स प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (डीटीपीए) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष को ज्ञापन भेजा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दिनों से कर पेशेवरों और करदाताओं कों टैक्स ऑडिट पोर्टल पर अपलोड करने में कठिनाइ आ रही है जिसे अति शीघ्र दूर किया जाना चाहिए।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 फीसदी बढ़कर 12 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली।
चालू वित्त वर्ष में 17 सितंबर तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 प्रतिशत बढ़कर 12.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार अधिक रिफंड के बावजूद प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 सितंबर तक 16.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 9.96 लाख करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में 17 सितंबर तक 2,05,307 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ है। जो कि साल दर साल के हिसाब से 56.49 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 1,31,196 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ था। व्यक्तिगत आयकर संग्रह 17 सितंबर 2024 तक 6,14,459 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल इसी दौरान 5,00,822 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर संग्रह हुआ था। इस तरह इसमें 22.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 17 सितंबर 2024 तक 99,230 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर रिफंड रहा है। सालाना आधार पर इसमें 46.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह से 17 सितंबर 2024 के दौरान कॉरपोरेट आयकर संग्रह 5,58,616 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के 4,72,904 करोड़ रुपये की तुलना में 18.12 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में 1,06,053 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट आयकर रिफंड रहा है।

यूएस फेड के फैसले से इंटरनेशनल मार्केट में चमका सोना, हाई रिकॉर्ड पर पहुंचा गोल्ड

नई दिल्ली।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा 4 साल बाद ब्याज दरों में कटौती करने का इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट पर काफी जोरदार असर नजर रहा है। इस कटौती के बाद इंटरनेशनल मार्केट में सोने के भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। सोना पहली बार 2,600 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करके 2603 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कोरोना प्रकोप के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने पहली बार अमेरिकी लेबर मार्केट को सपोर्ट करने के इरादे से ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है। यूएस फेड की 2 दिन तक चली बैठक में ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती करने का 18 प्रतिनिधियों ने समर्थन किया जबकि सिर्फ एक प्रतिनिधि इस प्रस्ताव के खिलाफ था। 2024 में ही यूएस फेड की और दो बैठकें होने वाली है, जिसमें आगे भी ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया जा सकता है। यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से डॉलर इंडेक्स में नरमी आई। इसी के साथ ट्रेजरी यील्ड में भी गिरावट आ गई, जिसके कारण इंटरनेशनल मार्केट में सोने के भाव में 1.27 प्रतिशत की तेजी आ गई। पहले ही इस बात का अनुमान लगाया जा रहा था कि अगर यूएस फेड ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लेता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव में उछाल आ सकता है। पहले से लगाए जा रहे अनुमानों के मुताबिक ही यूएस फेड का फैसला आने के बाद इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत में तेजी आ गई। उल्लेखनीय है कि यूएस फेड के फैसले के पहले से ही इंटरनेशनल मार्केट में सोना लगातार नए रिकॉर्ड बनाता रहा है।

मध्य एशिया में बढ़ते तनाव और रूस यूक्रेन जंग की वजह से इस साल गोल्ड मार्केट में पहले से ही काफी तेजी आई हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना अभी तक 24 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज कर चुका है। ऐसे में अमेरिका में ब्याज दोनों में कटौती से सोने के भाव रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं। हालांकि मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोने की कीमत में आया ये उछाल अस्थाई भी साबित हो सकता है। क्योंकि अगर डॉलर इंडेक्स में दोबारा तेजी आती है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत मिलते हैं, तो निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोने की ओर हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार तेजी दिखाने के बाद मुनाफा वसूली का शिकार होकर लाल निशान में बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का शिकार हो गए। एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करने के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में जोरदार उछाल आया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,618.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,573.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 223.75 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 41,726.85 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,253.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,444.90 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 18,711.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से सिर्फ 1 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहा है, जबकि 8 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। एशियाई बाजारों में से इकलौता कोस्पी इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 2,574.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 229 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,629 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.72 प्रतिशत उछल कर 3,618.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने गुरुवार को जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 963.02 अंक यानी 2.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 37,316.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 318.81 अंक यानी 1.81 प्रतिशत उछल कर 17,978.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 265.80 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,944.64 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,443.46 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत मजबूत होकर 7,886.06 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,733.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद स्वदेश पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम, हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली।
हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब जीतने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम गुरुवार सुबह दिल्ली पहुंची, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। चीन के हुलुनबुइर में मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने प्रतियोगिता के इतिहास में अपना रिकॉर्ड पांचवां खिताब जीता।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टीम के आगमन पर प्रशंसकों और हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने उत्साह के साथ स्वागत किया।

बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था

दिल्ली पहुंचने पर हरमनप्रीत ने कहा, 'यह खिताब हमारे लिए बहुत खास है...यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था...खासकर तब, जब हमारे पास इस टूर्नामेंट की तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं था।'

टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह शानदार है, एशिया में नंबर एक बनना हमेशा से हमारा लक्ष्य रहा है...यह एक अच्छा टूर्नामेंट था...।'

पांचवीं बार पुरुषों की एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती

भारत ने मंगलवार को मेजबान चीन पर 1-0 की रोमांचक जीत के साथ पांचवीं बार पुरुषों की एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी सफलतापूर्वक जीत ली।

भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी को अपराजित रहते हुए 'फुल्टनबॉल' का जादू जारी रखा। भारत ने इससे पहले 2011, 2016, 2018 और 2023 में खिताब जीते हैं।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दलिप समरवीरा पर लगाया प्रतिबंध

मेलबर्न। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर दलीप समरवीरा को आचार संहिता के गंभीर उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया या राज्य या क्षेत्रीय संघ (किसी भी डब्ल्यू/बीबीएल टीम सहित) में किसी भी पद पर रहने से 20 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आचरण आयोग ने पाया कि समरवीरा ने अनुचित व्यवहार किया, जो सीए की आचार संहिता की धारा 2.23 का उल्लंघन था। अनुचित आचरण के आरोप तब लगे जब समरवीरा क्रिकेट विक्टोरिया (सीवी) में मुख्य कोच के पद पर कार्यरत थे, इस पद से उन्होंने इस साल मई में केवल दो सप्ताह सेवा देने के बाद इस्तीफा दे दिया था। क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने समरवीरा के इस्तीफे के समय कहा था, भर्ती प्रक्रिया के दौरान दलीप ने अपनी सहायता टीम में एक विशिष्ट कोचिंग नियुक्ति करने की इच्छा व्यक्त की थी। हमारी आंतरिक नीतियों के कारण वह नियुक्ति संभव नहीं हो सकी। आगे की बातचीत के बाद, दलीप ने फैसला किया कि वह इस भूमिका में नहीं रहना चाहेंगे। गुरुवार को एक विज्ञप्ति में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आगे कहा, सीए इंटीग्रिटी विभाग, इंटीग्रिटी कोड और नीतियों के तहत उसके पास लाई गई शिकायतों की जांच करता है जो राज्य और क्षेत्रीय संघों पर भी लागू होती हैं। आचरण आयोग सीए इंटीग्रिटी द्वारा उसे भेजे गए मामलों की सुनवाई करता है।

सीपीएल में अनजान से खिलाड़ी ने लगाया 124 मीटर लंबा छक्का

जमैका। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में एक क्रिकेटर ने ऐसा छक्का लगाया कि गेंद 124 मीटर ऊपर चली गयी। ये छक्का एक अनजान से खिलाड़ी ने लगाया। ये छक्का 21 साल के शकीर पेरिस ने मिडविकेट के ऊपर से लगाया और गेंद स्टेडियम की छत के ऊपर से हवा में निकल गयी। ये इस सत्र का अब तक का सबसे लंबा छक्का है। आईपीएल में सबसे लंबे छक्के का रिकॉर्ड भी 124 मीटर का ही है। ये आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के की ओर से प्रज्ञान ओझा ने लगाया था। सीपीएल का सबसे लंबा छक्का ट्रिनबागो नाइटराइडर्स और गुयाना अमेजॉन वॉरियर्स के बीच मुकाबले में लगा। इसमें ट्रिनबागो नाइटराइडर्स के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने टॉस जीतने के बाद गुयाना अमेजॉन वॉरियर्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इस मैच में वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने 12 ओवर में 100 रनों के अंदर 7 विकेट खो दिये। इसके बाद रोमारियो शेफर्ड और ड्वेन प्रिटोरियस ने पारी संभाली। वहीं ट्रिनबागो नाइटराइडर्स की ओर से सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन और शकीर पेरिस ने पारी शुरु की।

श्रीलंकाई बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस का शानदार प्रदर्शन जारी , न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में शतक लगाया

गाले। श्रीलंका क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस का शानदार प्रदर्शन जारी है। कामिंदु ने डेब्यू के बाद ही अपने सातवे टेस्ट में चार शतक लगा दिये हैं। ने एक और शतक ठोक दिया। कमिंदु ने गाले में न्यूजीलैंड के खिलाफ हो रहे पहले टेस्ट के पहले ही दिन शतक लगा दिया। ये बल्लेबाज जब उतरा था तब टीम ने 88 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। इसके बाद कमिंदु ने एक छोर संभाले रखा। अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज के साथ उन्होंने 5वें विकेट के लिए 72 रन बनाये। इसके बाद छठे विकेट के लिए कुसल मेंडिस के साथ मिलकर 103 रन बनाये। कमिंदु ने साल 2022 में श्रीलंका की ओर से पहला मैच खेला था। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 61 रनों की पारी खेलने के बाद भी उन्हें दो साल तक टीम में जगह नहीं मिली थी। वहीं इसी साल बांग्लादेश के खिलाफ वापसी करते हुए इस बल्लेबाज ने दोनों पारियों में शतक लगाया था। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर तीन टेस्ट में एक शतक के अलावा दो अर्धशतक लगाये।

शतरंज ओलंपियाड 2024, राउंड 7

भारतीय पुरुषों ने चीन को पछाड़ा महिलाओं ने जॉर्जिया को हराया

हंगरी।
भारत ने बुधवार देर रात को हंगरी के बुडापेस्ट में एसवाईएमए स्पोर्ट्स एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर में शतरंज ओलंपियाड 2024 के ओपन सेक्शन के सातवें राउंड में चिर प्रतिद्वंद्वी चीन को हराया। उभरते हुए स्टार जीएम डी गुकेश ने विश्व के 8वें नंबर के चीन के वेई यी को हराकर भारत के पक्ष में निर्णायक परिणाम हासिल किया।

अर्जुन एरिगैसी, आर. प्रज्ञानानंद और पेंटाला हरिकृष्णा चीनी दीवार को भेदने में असमर्थ रहे, इसलिए मैच 2-2 से बराबरी पर आ गया। हालांकि, गुकेश ने सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए तब तक दबाव बनाए रखा जब तक कि वेई यी ने आखिरकार हार नहीं मानी और मैच भारत के पक्ष में हो गया। प्रज्ञानानंद और यू यांगयी ने सबसे पहले अपना खेल समाप्त किया, जो ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। अर्जुन, जो 6/6 पर थे, को बू जियांगज़ी ने टूर्नामेंट का पहला ड्रॉ दिया।

इससे पहले, चीन ने राउंड से पहले विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को आराम देने का फैसला किया, जिससे गुकेश के खिलाफ़ संघर्ष की संभावना समाप्त हो गई। हरिकृष्णा ने काले मोहरों के साथ अपनी भूमिका बखूबी निभाई और अंतिम बोर्ड पर शानदार फॉर्म में चल रहे वांग यू को जीत से वंचित रखा। भारत के पास अब इतने ही राउंड में सात जीत के साथ 14 मैच पॉइंट हैं, ईरान 13 के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि उज्बेकिस्तान ओपन सेक्शन में 12 मैच पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत ने जॉर्जिया की चुनौती को आसानी से पार कर लिया। हरिका द्रोणावल्ली और दिव्या देशमुख ने मजबूत ड्रॉ बनाए, वहीं वंतिका अग्रवाल और आर. वैशाली ने महत्वपूर्ण समय पर भारत के लिए जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भारत (14) दूसरे स्थान पर मौजूद पोलैंड से दो मैच पॉइंट आगे है। भारत की पुरुष टीम राउंड 8 में ईरान से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम पोलैंड से भिड़ेगी।

चाइना ओपन : मालविका ने गिलमोर को हराकर पहली बार सुपर 1000 क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

चांगझोउ। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां चाइना ओपन में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली क्रिस्टी गिलमोर के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर पहली बार सुपर 1000 क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 43वीं रैंकिंग वाली मालविका ने एक घंटे पांच मिनट तक कड़ी मेहनत की और फिर महिला एकल के राउंड-ऑफ-16 मुकाबले में दो बार की कॉमनवेल्थ गेम्स पदक विजेता और दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी स्कॉटलैंड की गिलमोर को 21-17, 19-21, 21-16 से हराया। मैच के बाद मालविका ने कहा, 'यह पहली बार है जब मैं सुपर 1000 टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल खेलूंगी, इसलिए यह मेरे सपने के सच होने जैसा है और मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है।' उन्होंने कहा, 'मैंने टूर्नामेंट से पहले इस बारे में सपना देखा था कि अगर मैं क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई तो कैसा रहेगा और अब मैं शीर्ष 8 में हूं, इसलिए यह एक शानदार एहसास है।' मैच को लेकर भारतीय खिलाड़ी, जो अब गिलमोर के खिलाफ 3-2 से आगे चल रही है, ने कहा, 'इस भाग से बहुत अधिक बहाव है, इसलिए मुझे पिछले गेम के अंतिम हिस्सों और दूसरे गेम में भी नियंत्रण करना मुश्किल लगा। लेकिन मुझे खुशी है कि भगवान ने मेरी मदद की।' 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को हराने के एक दिन बाद यह जीत हासिल की है।

चेन्नई स्कूल में हुआ शीतल, थंगावेलु का सम्मान, छात्रों संग मस्ती करते दिखे दोनों पैरालंपियन

चेन्नई। शीतल देवी ने बुधवार को चेन्नई के वनागरम में वेलाम्मल विद्यालय के छात्रों को 2024 पेरिस पैरालिंपिक में एस्प्लेनेड डेस इनवैलिड्स में अपने प्रदर्शन की एक झलक दिखाई। शीतल, जिन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों में ओपन मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में राकेश कुमार के साथ कांस्य पदक जीता था, साथी पैरालिंपियन मरियप्पन थंगावेलु के साथ मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने पेरिस में पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया था।

स्कूल ने शहर के श्री रामचंद्र कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स एंड साइंस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य स्कूल से 50 चिन्हित एथलीटों को तैयार करना और उन्हें 2032 ओलंपिक के लिए तैयार करना है, जैसा कि श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (एसआरआईएचईआर) की कुलपति उमा सेकर ने बताया।

दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम के दौरान, मंच पर एक छोटी शूटिंग रेंज बनाई गई थी। दर्शकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शीतल और उनके कोच के बीच थोड़ी देर की चर्चा के बाद, उन्होंने तीन तीर छोड़े, जिनपर उनका स्कोर एक नौ, फिर एक नौ, और फिर एक 10 रहा।

इससे पहले, पैरालिंपियनों का स्वागत चेंडा मेलम (एक पारंपरिक कला जिसमें ताल-वादन का उपयोग किया जाता है) की धुनों से किया गया। दोनों ने अलग-अलग अस्थायी रथ पर सवार होकर भव्य प्रवेश किया और उनके सामने एक क्रेन की मदद से उनके आकार से दुगनी माला को हवा में लटकाया गया।

इसके बाद, एथलीटों को फ्रांस की राजधानी में उनके कारनामों के लिए सम्मानित किया गया। पारंपरिक रेशमी शॉल उनके चारों ओर लपेटी गई और एथलीटों को स्मृति चिन्ह के रूप में फ्रेमयुक्त चित्र दिए गए। शीतल और मरियप्पन छात्रों द्वारा मंच पर प्रस्तुतियों में भाग लेकर खुश थे। शीतल हुला-हूप के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने वाली एक लड़की के साथ शामिल हुईं और खुद भी हुला-हूप करने की कोशिश की। उन्होंने अपने पैर से भी हुला-हूप करने की कोशिश की। वहीं, मरियप्पन के चेहरे पर अभी भी स्वर्ण पदक से चूकने की निराशा थी।

उम्र से जुड़ी धोखाधड़ी हमारे युवा फुटबॉलरों को पीछे खींच रही है : संदेश झिंगन

मुंबई।
एफसी गोवा के डिफेंडर संदेश झिंगन ने रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स, एफसी गोवा, बेंगलुरु एफसी, डेम्पो एससी, एफसी मद्रास और मिजोरम फुटबॉल एसोसिएशन की सराहना की, जो 12 से 18 सितंबर के बीच नवी मुंबई के रिलायंस कॉरपोरेट पार्क (आरसीपी) में आयोजित स्टे योर एज अंडर-15 फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेकर उम्र-धोखाधड़ी से निपटने के लिए एक साथ आए हैं।

झिंगन ने युवा खिलाड़ियों पर अधिक उम्र के फुटबॉल खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के नकारात्मक प्रभाव को उजागर करने के लिए अपने निजी अनुभवों को याद किया। उन्होंने इसे उनके आत्मविश्वास के लिए हानिकारक बताया क्योंकि यह उनके समग्र फुटबॉल विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में आत्म-संदेह पैदा करता है।

झिंगन ने कहा, उम्र में धोखाधड़ी की बात कई सालों से एक बड़ी समस्या बनी हुई है। मेरे बचपन के दिनों में, अंडर-15 और अंडर-17 के दिनों में, हम हमेशा जानते थे कि कोई ऐसा है जो मुझसे बड़ा है, लेकिन हमारी आयु वर्ग में खेल रहा है। मुझे कई बार लगा कि मैं उतना अच्छा नहीं हूं, क्योंकि वह लड़का मुझसे ज़्यादा मज़बूत, तेज़ और परिपक्व था, लेकिन यह सब सिर्फ़ इसलिए था क्योंकि वह मुझसे बड़ा था।

उन्होंने आगे कहा, उस उम्र में, जब आप इतने युवा होते हैं, तो दो साल का अंतर भी मैदान पर आपके प्रदर्शन की गुणवत्ता के मामले में बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देता है। सौभाग्य से, मैंने आगे बढ़ना जारी रखा और खुद पर विश्वास किया। इसे रोकने की ज़रूरत है। यह बहुत दुखद है कि यह अभी भी होता है। यह सिर्फ़ फ़ुटबॉल में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के सभी खेलों में है। मुझे लगता है कि इसे पूरी तरह से रोकने की ज़रूरत है। मुझे वाकई खुशी है कि सभी क्लब और रिलायंस फ़ाउंडेशन इस समस्या को हल करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

12-18 सितंबर 2024 तक आयोजित स्टे योर एज कप 2024 में छह टीमों, यानी आरएफवाईसी, एफसी गोवा, बेंगलुरु एफसी, डेम्पो एससी, एफसी मद्रास और मिजोरम फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के खिलाड़ियों को एक कठोर दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसमें सभी टीमों को एक सुचारू और निष्पक्ष टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ी के दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त हुई।

टीमों ने लीग सिस्टम प्रारूप में प्रत्येक में पांच मैचों में प्रतिस्पर्धा की। बुधवार को अंतिम मैच के दिन, रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स ने बेंगलुरु एफसी को हराकर लीग में 100त्न रिकॉर्ड बनाए रखा और इतने ही मैचों में पांच जीत हासिल की और उद्घाटन खिताब जीता। स्टे योर एज कप 2024 के माध्यम से, आरएफवाईसी और उसके सहयोगी न केवल आयु धोखाधड़ी को उजागर कर रहे हैं, बल्कि भारत में युवा फुटबॉल के लिए एक नया मानक स्थापित कर रहे हैं।

आईएसएल : हैदराबाद के खिलाफ बेंगलुरू को मिलेगा अपने घरेलू मैदान का फायदा

बेंगलुरू।
बेंगलुरू एफसी अपने घरेलू मैदान श्री कांतीरवा स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे मैचवीक के शुरुआती मुकाबले में हैदराबाद एफसी की मेजबानी करेगा। ब्लूज ने हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले 10 आईएसएल मुकाबलों में सिर्फ दो बार जीत हासिल की है, और पहली बार लगातार जीत की तलाश में है। इसके विपरीत, हैदराबाद एफसी पिछले तीन आईएसएल सीजन में अपने शुरुआती मुकाबले हार चुकी है और इस बार हालात बदलने की कोशिश करेगी।

विनीत वेंकटेश के गोल की बदौलत बेंगलुरू एफसी ने अपने पिछले मैच में ईस्ट बंगाल एफसी को 1-0 से हराया, लेकिन हेड कोच जेरार्ड जारागोजा का कहना है कि इस किशोरवय खिलाड़ी को अपने खेल के कई पहलुओं पर काम करने की जरूरत है। बेंगलुरू एफसी के स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने कहा, 'उसने (विनीत) पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह बहुत छोटा है। उसके पास गुणवत्ता है, लेकिन उसे अपने शरीर, मूवमेंट्स और खेल को रणनीतिक रूप से समझने के लिए बहुत सुधार करने की जरूरत है। हम उसे और बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे। वह नर्वस था; क्योंकि कांतीरवा में उसका पहला मैच था, और सुनील छेत्री, राहुल (भेके) जैसे नामी खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। उसे चोट लगी थी, और हमें उम्मीद है कि यह गंभीर नहीं होगी और जल्द ही वह खेलने लायक हो जाएगा।'

हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो आईएसएल 2024-25 को लेकर अभी से लक्ष्य तय नहीं करना चाहते हैं। वह उम्मीद कर रहे हैं कि टीम कुछ ही मैच में सही दिशा की ओर आगे बढ़ेगी और फिर प्रगतिशील कदम उठाना शुरू करेगी। सिंग्टो ने कहा, 'हम पिछले सीजन को पीछे छोड़ना चाहते हैं। हम पहले से ही लक्ष्य निर्धारित नहीं करना चाहते। हम अच्छी टीम बनाना चाहते हैं, और आगामी दो-तीन मैच अहम होंगे, क्योंकि कुछ विदेशी खिलाड़ी टीम से जुड़ने वाले हैं। एक बार जब वे हमारे साथ जुड़ जाएंगे, वे हम समझने लगेंगे और हम उनको, तब स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि हम कहां पहुंचना चाहते हैं।'

ईसीएल : बैंगलोर बैशर्स की धमाकेदार जीत, हरियाणवी हंटर्स का अजेय क्रम बरकरार

नई दिल्ली।
इंटरटेनमेंट क्रिकेट लीग (ईसीएल) टी-10 टूर्नामेंट के छठे दिन बुधवार को कुछ टीमों के लिए लीग चरण का रोमांचक समापन हुआ, जहां बैंगलोर बैशर्स ने अपने आखिरी मैच में शानदार जीत दर्ज की और हरियाणवी हंटर्स ने अपना अजेय क्रम बरकरार रखा।

उमंग-अभिषेक का शानदार प्रदर्शन

दिन के पहले मैच में डायनामिक दिल्ली के कप्तान सोनू शर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली की शुरुआत अच्छी रही, ओपनर्स राहुल गर्ग और लक्षय सिंह ने 4 ओवरों में 55 रन की साझेदारी की। राहुल गर्ग ने 23 गेंदों पर 63 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, लेकिन दिल्ली की मिडिल और लोअर ऑर्डर बुरी तरह से ढह गई। 7वें ओवर में 103 पर 3 के स्कोर से, दिल्ली की टीम 123 रनों पर ऑलआउट हो गई, जिसमें बैंगलोर के गेंदबाज शुबहम चौला और तनुष सेठी ने 3-3 विकेट लिए।

जवाब में, बैंगलोर बैशर्स ने बिना किसी परेशानी के खेला, भले ही उन्होंने जल्दी ही करनजीत सिंह का विकेट गंवा दिया। उमंग सेठी (17 गेंदों पर नाबाद 72) और कप्तान अभिषेक मल्हान (10 गेंदों पर नाबाद 40) के बीच बेहतरीन साझेदारी ने दिल्ली के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। इस जोड़ी ने सिर्फ 4.1 ओवर में 124 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। बैशर्स ने 9 विकेट से शानदार जीत के साथ अपने लीग अभियान का समापन किया।

कशिश पुंदिर के 5 विकेटों ने हरियाणा हंटर्स को दिलाई एक और जीत!

दूसरे मैच में पंजाब वीर के कप्तान हर्ष बेनीवाल ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का निर्णय लिया। हालांकि, पंजाब की पारी जल्दी ही बिखर गई। रोहित लाम्बा ने जल्दी विकेट लिया, और कशिश पुंदिर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 21 रन देकर 5 विकेट चटकाए। पंजाब की पूरी टीम 5.5 ओवर में सिर्फ 71 रन पर ढेर हो गई, जिसमें केवल विशाल चौधरी (5 गेंदों पर 19) और अरशद (4 गेंदों पर 16) ने थोड़ी प्रतिरोध दिखाई।

हरियाणा की पारी की शुरुआत आक्रामक रही, लेकिन कप्तान एल्विश यादव 7 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद, केशव चौधरी ने पारी को संभाला और 12 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए, जिसमें 8 जबरदस्त छक्के शामिल थे। लक्षय कौशिक (3 गेंदों पर नाबाद 4) के साथ मिलकर, केशव ने 3.4 ओवर में लक्ष्य हासिल किया, जिससे हरियाणवी हंटर्स ने 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ, एल्विश यादव की अगुवाई वाली हरियाणवी हंटर्स 8 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। उनके बाद लखनऊ लायंस और मुंबई डिसरप्टर्स हैं, दोनों के 6 अंक हैं, लेकिन लखनऊ बेहतर नेट रन रेट के कारण आगे है।

टेढ़े-मेढ़े दांतों से ऐसे पाएं छुटकारा...

खुश होने पर हंसी अपने आप ही हमारे चेहरे पर दस्तक देती है। कभी-कभी यह हंसी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है और हंसते समय दांत बाहर आ जाते हैं लेकिन उस समय बहुत बुरा लगता है जब हमारे टेढ़े-मेढ़े दांतों पर सबकी नजर पड़ती है। टेढ़े-मेढ़े दांत पर्सनैलिटी पर काफी नेगटिव इम्पैक्ट डालती है। फीचर कितने भी शार्प क्यों न हो खराब और टेढ़े दांत सब पर पानी फेर देते हैं।

इसके अलावा टेढ़े दांतों की वजह से बोल-चाल के कुछ शब्दों, जिसका उच्चारण करते समय हमें दातों का सहारा लेना पड़ता है, में रूकावट आती है। वहीं ऐसे दांतों को साफ करने में भी परेशानी होती हैं क्योंकि ब्रश ठीक ढंग से एडजैस्ट नहीं हो पाता। जाहिर सी बात है कि अगर दांतों पर ढंग से ब्रश नहीं होगा तो गंदगी जमा होगी जो बाद में दांतों के खराब होने का कारण बनती है। इसलिए टेढ़े-मेढ़े दांतो से छुटकारा पाना बहुत जरूरी है।

तार लगाकर सीधा करना

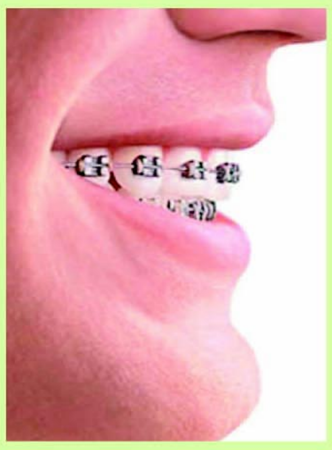

दांतों में फिक्स्ड ब्रेसिज या तार लगाकर इन्हें सीधा किया जाता है। तार टेम्परारी या पर्मानेंट, दोनों तरह से ही लगाई जाती है। स्थाई तौर पर तार लगाने से दांतों पर दबाव डाला जाता है, जिससे दांत सही जगह पर सेट हो जाएं। इलाज के बाद मरीज को च्युइंगम, टॉफी और चॉकलेट जैसी चीजें नहीं खानी चाहिएं तथा मीठे और ज्यादा ठंडे खाद्य पदार्थों का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए। वैसे तो किसी भी उम्र में आप टेढ़े दांतों का इलाज करवा सकते हैं लेकिन अगर इसका इलाज जल्दी हो तो बेस्ट है क्योंकि कम उम्र में जबड़े मुलायम रहते हैं। इलाज के परिणाम शीघ्र सामने आते हैं।

ट्रीटमेंट के बाद

टेढ़े-मेढ़े दांतों के ट्रीटमेंट के बाद उसे ऐसे ही न छोड़ दें क्योंकि इसके बाद उनके सरकने और टेढ़े होने की आशंका बनी रहती है इसलिए समय समय पर डाक्टर से सलाह लेते रहें। बच्चे को हर छःमहीने के बाद डैंटिस्ट के पास लेकर जाएं ताकि उनकी आदतों जैसे कि अंगूठा चूसना, जींभ से बार-बार अपने ऊपरी दांतों को धकेलना, दांतों से होंठ अथवा गाल काटते रहना आदि आदतें जो दांतों को टेढ़ा-मेढ़ा करती हैं,को हटाया जा सकें।

मुंह से सांस लेना

अगर किसी बच्चे में मुंह से सांस लेने की आदत है तो भी इस आदत को दूर किया जाना चाहिए क्योंकि इस आदत की वजह से ऊपर वाले आगे के दांत बाहर की तरफ आने लगते हैं। अगर बच्चे के दूध वाले दांत नहीं गिरे लेकिन पास की जगह पर पक्के दांत निकलने लगे हैं तो बच्चे को डैंटिस्ट के पास ले जाकर दूध के दांत निकलवाएं नहीं तो पक्के दांत वहीं फिक्स हो जाएंगे।

हर छह माह में चेक कराएं

अगर आप सोचते हैं कि डैंटिस्ट के पास जाकर टेढ़े-मेढ़े दांतों के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। यह बिल्कुल गलत हैं। आप नियमित रूप से हर छः महीने बाद बच्चों को डैंटिस्ट के पास जाकर दांत चैक करवाते रहें। अगर कुछ प्रॉब्लम होगी तो वह साथ-साथ ठीक होती रहेगी।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

एड़ियों के दर्द में दवाई के साथ परहेज जरूरी

दिनभर की भागदौड़ से लोगों में एड़ी का दर्द होना आजकल एक सामान्य समस्या बन गई है। यह किसी दवाई या किसी एक उपाए से ठीक नही हो सकता है। इसके लिए दवाओं के साथ परहेज करना बहुत जरूरी है। एड़ियों का दर्द पुरूष हो या महिला किसी को भी हो सकता है। एड़ी में दर्द की प्रमुख वजह हैं अधिक ऊंची हील के जूते और सैंडल है। हड्डी के बढ़ने से भी एड़ियों में दर्द हो सकता है।

ज्यादा संवेदनशील होने की बीमारी...

दुनिया में कई लोगों को छोटी छोटी बातों से बहुत फर्क पड़ता है। ऐसे लोग कुछ खास चीजों जैसे रोशनी या तेज आवाज को लेकर बहुत संवेदनशील होते हैं। पहले उन्हें सिर्फ संवेदनशील कहा जाता था मगर अब अमरीका समेत कई देशों में हुए रिसर्च के बाद ऐसे लोगों के ज्यादा संवेदनशील होने को एक बीमारी बताया जा रहा है। इस बीमारी का नाम सेंसरी प्रॉसेसिंग डिसॉर्डर या एसपीडी है। कुछ लोग किसी के कदमों की आहट या शोर-गुल से परेशान हो जाते हैं। वे चीखने लगते हैं। कुछ लोग तेज रोशनी को बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसी परेशानी के शिकार लोगों में ज्यादातर बच्चे होते हैं। इस बीमारी का नाम पहले पहले अमरीका के डॉक्टर ज्यां आयर्स ने रखा था। उन्होंने 1960 में इसका नाम सेंसरी इंटीग्रेशन डिसॉर्डर रखा था। ज्यां आयर्स की छात्रा रही लूसी जेन मिलर ने ज्यां के इस बीमारी के बारे में रिसर्च को आगे बढ़ाया। उन्होंने इस बीमारी की तीव्रता नापने के लिए कुछ पैमाने भी ईजाद किए हैं।

अलग होता है दिमाग

रिसर्च में पता चला है कि एसपीडी की जड़ें दिमाग में होती हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों का दिमाग आम लोगों के दिमाग से अलग होता है। दिमाग के इस हिस्से की मदद से हम आवाज, रोशनी और छुअन को महसूस करते हैं। एसपीडी से पीड़ित लोगों के दिमाग का यही हिस्सा कम विकसित होता है। एक और बात साफ हुई है कि एसपीडी का सीधा ताल्लुक ऑटिज्म नाम की बीमारी से होता है क्योंकि 90 फीसद मरीजों में ऑटिज्म के लक्षण पाए गए।

अहसास से बेहाल

वैसे किसी खास चीज से परेशानी नई बात नहीं। बहुत से बच्चे रोशनी या आग या शोर-गुल से घबराकर चीखने लगते हैं। एक सर्वे के मुताबिक सोलह फीसद बच्चे ऐसी परेशानी की शिकायत अपने माता-पिता से करते हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ उनकी यह दिक्तत दूर हो जाती है। लेकिन कुछ लोग अपने अहसास से बेहाल रहते हैं। असल में हमारे एहसास, हमें बाकी दुनिया से रूबरू कराते हैं। वो हमें दुनिया दिखाते हैं। आवाजें सुनाते हैं।

छुअन को महसूस कराते हैं। होता यह है कि हमारा दिमाग इन संकेतों को पकड़कर इसे हमें महसूस कराता है। कुछ लोगों को दूसरों को खुश या परेशान देखकर उनके सुख-दुख का एहसास हो जाता है। ऐसे लोगों को ऑर्किड कहा जा रहा है। उनको जरा सी बात चुभ जाती है। वे दुःख भरी खबर सुनकर रोने लगते हैं। कोई मजेदार सीरियल देखते वक्त उनकी हंसी है कि रुकती ही नहीं। उन्हें पार्टियों से ज्यादा किताबों का शौक होता है।

क्या है इलाज

एक सवाल वहीं का वहीं है, कि आखिर एसपीडी के शिकार लोग कहां फिट बैठते हैं? लोगों में सेंसिटिव प्रॉसेसिंग डिसऑर्डर का पता लगने के बाद अगला कदम उनके इलाज का होता है। इसका मकसद उनके अहसास कम करना नहीं होता बल्कि कोशिश यह होती है कि आम माहौल में वो कम तकलीफ के साथ रह सकें। जिंदगी में आगे बढ़ सकें। एसपीडी पीड़ितों का इलाज दवाओं के साथ ही साथ कंप्यूटर गेम वगैरह से भी किया जा रहा है। फिलहाल तो एसपीडी पर काम कर रहे रिसर्चर और इसके शिकार लोग, इसे एक बीमारी का दर्जा दिलाने, इसके बारे में लोगों को जागरूक करने में जुटे हैं।

भावों को गहराई से नापना

संवेदनशील लोग, भावों को ज्यादा गहराई से नापते हैं। बातों या चीजों को लेकर वे बहुत संवेदनशील होते हैं। दूसरों से उन्हें तुरंत हमदर्दी हो जाती है। ऐसे बेहद संवेदनशील लोग किसी भी हालात को आराम से समझते हैं। तब उस पर कोई प्रतिक्रिया देते हैं। वे आस-पास के माहौल को लेकर भी काफी चौकन्ने रहते हैं। उनके ऊपर दूसरों के मूड तक का असर पड़ता है। पता चला है कि दुनिया के बीस फीसद लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं। बच्चे दो तरह के होते हैं। एक तो वे जो हर माहौल में ढल जाते हैं। मजे करते हैं। दूसरे वो बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के लिए एक खास माहौल चाहिए।

पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना...

कई बार आपने अपने सफेद रंग की शर्ट में अंडरआर्म्स की तरफ पीले रंग के दाग देखे होंगे। ऐसा कलर्ड स्वेट के कारण होता है। कलर्ड स्वेट मतलब रंग वाला पसीना। सामान्य तौर पर इंसान को पारदर्शी-रंगहीन पसीना निकलता है लेकिन कई लोगों को पीला या ऑरेंज रंग का पसीना निकलता है जिससे कपड़े में पसीने के दाग पड़ जाते हैं। रंग वाले पसीने के निकलने को विज्ञान में क्रोमहिड्रोसिस कहते हैं। इसमें पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना भी निकल सकता है।

अनूठी बीमारी

क्रोमहिड्रोसिस एक अनूठी बीमारी है जिसमें कलर्ड स्वेट निकलता है। दो ग्लैंड, एक्रीन और एपोक्रीन, की वजह से पसीना निकलता है। एक्रीन ग्लैंड से रंगहीन और गंधहीन पसीना निकलता है जो शरीर का तापमान रेग्युलेट करता है। एपोक्रीन ग्लैंड से मोटा और दुधिया रंग का पसीना निकलता है। ऐसा बैक्टीरिया को शरीर से निकालने के कारण होता है। इस कारण ही पसीने से बदबू आती है।

लिपोफस्कीन पिगमेंट

क्रोमहिड्रोसिस, एपोकरीन ग्लैंड से निकलने वाले पसीने के कारण होता है। एपोक्रीन ग्लैंड योनि, कांख, स्तनों और चेहरे के स्कीन के तरफ होती हैं। क्रोमहिड्रोसिस चेहरे, कांख और स्तनों के तरफ निकलने वाले पसीने में होता है। लिपोफस्कीन पिगमेंट कलर्ड स्वेट के लिए जिम्मेदार होता है। यह पंगमेंट एपोक्रीन ग्लैंड में होता है जिसके कारण पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना निकलता है।

कितने सुरक्षित हैं कांटेक्ट लेंस ?

आज के दौर में एक बड़े पैमाने पर लोग कांटेक्ट लेंस का उपयोग करते हैं लेकिन इसी के साथ इनका रख रखाव करना भी एक अहम काम है जिसे न करने पर ये हमारी आंखों को भी हानि पहुंचा सकते हैं इसीलिए हर बार इस्तेमाल करने के बाद कांटेक्ट लैंस के केस को भी सफाई करना जरूरी होता है। अगर आप भी कांटेक्ट लेंस का प्रयोग करना चाहते हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी है ये टिप्स

- कांटेक्ट लेंस का प्रिस्क्रिप्शन किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से ही लें। अच्छे परिणाम के लिए कांटेक्ट लेंस का आपकी आंखों पर फिट बैठना जरूरी है।
- रात में सोते समय, नहाते समय या स्विमिंग के दौरान कांटेक्ट लेंस पहनने से बचना चाहिए। डॉक्टर ने प्रिस्क्राइब किया है तो अलग बात है अन्यथा रात को कांटेक्ट लेंस पहनकर सोने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे आपके कॉर्निया को आवश्यक ऑक्सीजन प्राप्त नहीं हो पाती। फलस्वरूप संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है।
- कांटेक्ट लेंस इस्तेमाल करने से पहले सुगंध रहित साबुन से हाथ साफ करें। कांटेक्ट लेंस को रातभर मल्टीपरपज सॉल्यूशन में डालने से पहले लेंस की सतह को अंगुली से रगड़कर अच्छी तरह साफ करें।
- लेंस को केस में रखने के लिए हर बार फ्रेश सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल किए हुए सॉल्यूशन को पुनः प्रयोग करने से उसमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका पैदा हो जाती है।

बीमारियों में महंगी दवाइयों के स्थान पर आजमाएं चिरायता

जुलाई से लेकर सितंबर-अक्टूबर तक का समय बीमारियों के लिहाज से नाजुक होता है, इन दिनों बीमारियों से बचने के लिए महंगी दवाओं के स्थान पर घरेलू नुस्खे आजमाएं।

इन्हीं घरेलू नुस्खों में एक है अनमोल चिरायता। बरसों से हमारी दादी-नानी कड़वे चिरायते से बीमारियों को दूर भगाती रही हैं, आप भी जानें इसके बारे में...

दरअसल यह कड़वा चिरायता एक प्रकार की जड़ी बूटी है जो कुनैन की गोली से अधिक प्रभावी होती है। पहले इस चिरायते को घर में सूखा कर बनाया जाता था लेकिन आजकल यह बाजार में कुटकी चिरायते के रूप में उपलब्ध है।

घर में चिरायता बनाने की विधि

100 ग्राम सूखी तुलसी के पत्ते का चूर्ण, 100 ग्राम नीम की सूखी पत्तियों का चूर्ण, 100 ग्राम चिरायते की सूखी टहनी का चूर्ण लीजिए। इन तीनों को समान मात्रा में मिलाकर एक बड़े डिब्बे में भर कर रख लीजिए।

यह तैयार चूर्ण मलेरिया या अन्य बुखार होने की स्थिति में दिन में तीन बार दूध से सेवन करें। मात्र दो दिन में आश्चर्यजनक लाभ होगा।

बुखार न होने की स्थिति में इसका एक चम्मच सेवन प्रतिदिन करें। यह चूर्ण किसी भी प्रकार की बीमारी चाहे वह स्वाइन फ्लू ही क्यों ना हो, उसे शरीर से दूर रखता है। इसके सेवन से शरीर से सारे रोगाणु-कीटाणु झर जाते हैं। रक्त एवं त्वचा संबंधी समस्त विकार दूर होते हैं।

गर्भवती महिला और कमजोर पाचन शक्ति के लोग विशेषज्ञ से पूछ कर ही इसका सेवन करें। शरीर से हर तरह का विकार निकालता है।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है।

ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

ग्रिल्ड आलू सैंडविच

सामग्री

10-12 ब्रेड स्लाइस, 1 बड़ा आलू (उबला हुआ), 1 बड़ी हरी मिर्च (बारिक कटी हुई),1 छोटा प्याज (बारीक कटा हुआ), आधा कप पनीर (कद्दुकस किया), आधा चम्मच चाट मसाला,1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, नमक स्वादानुसार, बटर

विधि

सबसे पहले एक कटोरी में उबले आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें कटी हुई मिर्च,प्याज, पनीर, चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब सभी ब्रेड स्लाइस में मक्खन को एक तरफ लगाते हुए, उसमें दूसरी तरफ आलू का तैयार मसाला बराबर मात्रा में रखते जाएं और उसके ऊपर से अन्य ब्रेड की स्लाइस से कवर कर दें। अब एक पैन में थोड़ा मक्खन डालें और सैंडविच को धीमी आंच पर सेकें। ऐसे ही दोनों साइड से सैंडविच को सेंकें। ऐसे ही सभी सैंडविच स्लाइस को मक्खन के साथ सेंकें। सैंडविच तैयार है। इसे अपनी पंसद चटनी के साथ सर्व करें।

नारियल के लड्डू

सामग्री

20 ग्राम बादाम (बारिक कटे हुए)
20 ग्राम काजू (बारिक कटे हुए)
500 ग्राम खोया
250 ग्राम नारियल(कद्दुकस किया हुआ)
150 ग्राम चीनी

विधि

सबसे पहले कड़ाही में बादाम और काजू डालकर 2-3 मिनट तक भून लें। अब एक और कड़ाही में खोया डालकर 5 मिनट तक पकाएं। पकाने के बाद इसमें कद्दुकस किया हुआ नारियल, चीनी, काजू, बादाम(भुने हुए) डालकर पकाएं। अब इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल लड्डू तैयार कर लें। लड्डू को कद्दुकस किए हुए नारियल के साथ रोल करें। नारियल के लड्डू तैयार हैं। आप चाहें तो इन्हें फ्रिज में रखकर बाद में भी खा सकते है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)